शनिवार, 25 जनवरी 2025

मौसम

तापमान 27 – 16
आर्द्रता 55%
सूर्योदय: 6:18 सूर्यास्त: 17:20

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, माघ कृष्णपक्ष एकादशी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन 10 करोड़ श्रद्धालुओं के अमृत स्नान करने की उम्मीद -पृष्ठ 6

सुविचार : प्रेरणा लहरों से लें जो गिरती हैं और दूगुने उत्साह के साथ ऊपर उठती हैं।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

वक्फ विधेयक संबंधी संसदीय समिति की बैठक में हंगामा, 10 विपक्षी सदस्य निलंबित

विपक्ष की बिरला से दखल की गुहार

■ 29 जनवरी को मसौदा रिपोर्ट स्वीकार हो सकती है

नई दिल्ली : वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ और 10 विपक्षी सदस्यों को उनके आचरण के चलते समिति से एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। विपक्षी सदस्यों ने पाल पर कार्यवाही को एक तमाशा बनाने, मनमानी करने तथा नियमों के उल्लंघन करने का आरोप लगाया तथा दावा किया कि वह सरकार के शीर्ष स्तर के निर्देश पर काम कर रहे हैं। विपक्ष के इन सांसदों के खिलाफ यह कार्यवाही ऐसे समय की गई जब समिति अब मसौदा रिपोर्ट को स्वीकार करने की दिशा में आगे बढ़ी है। सूत्रों का कहना है कि समिति 29 जनवरी, 2025 को मसौदा रिपोर्ट स्वीकार कर सकती है।निलंबन के बाद विपक्ष के सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह पाल को समिति की कार्यवाही पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संचालित करने के लिए निर्देशित करें तथा 27 जनवरी को प्रस्तावित समिति की अगली बैठक स्थगित की जाए। समिति की शुक्रवार को हुई बैठक में हंगामा हुआ और विपक्षी सदस्यों ने पाल पर नियमों का उल्लंघन और मनमानी करने का आरोप लगाया। वहीं, पाल ने कहा कि विपक्षी सांसदों बैठक को बाधित करने के उद्देश्य से हंगामा किया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी पर अपशब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। पाल ने कहा कि उन्होंने बैठक को व्यवस्थित करने का प्रयास किया, इसे दो बार स्थगित किया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

भाजपा सदस्य निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे समिति ने स्वीकार कर लिया। निलंबित सदस्यों में कल्याण बनर्जी और नदीम-उल हक (तृणमूल कांग्रेस), मोहम्मद जावेद, इमरान मसूद और सैयद नासिर हुसैन (कांग्रेस), ए राजा और मोहम्मद अब्दुल्ला (द्रमुक), असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम), मोहिबुल्लाह (सपा) और अरविंद सावंत (शिवसेना-यूबीटी) शामिल हैं। विपक्षी सदस्यों का निलंबन उस दिन हुआ जब मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर का एक प्रतिनिधिमंडल वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त समिति के समक्ष मसौदा कानून के बारे में अपनी चिंताओं को साझा करने के लिए उपस्थित हुआ।

वित्त मंत्री ने पारंपरिक हलवा समारोह में भाग लिया, अंतिम दौर में पहुंची बजट की तैयारी

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को पारंपरिक हलवा समारोह में भाग लिया। इसके साथ वित्त वर्ष 2025-26 के बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम शुरू हो गया है। आम बजट एक फरवरी को लोकसभा में पेश किया जाएगा। हलवा समारोह को बजट दस्तावेज को अंतिम रूप देने का आखिरी चरण माना जाता है। यह हर साल होने वाला समारोह है, जिसमें हलवा तैयार किया जाता है और बजट की तैयारी में शामिल रहे वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को परोसा जाता है। यह समारोह दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक के 'बेसमेंट' में आयोजित किया जाता है। यहीं पर प्रिंटिंग प्रेस है। वित्त मंत्रालय नार्थ ब्लॉक में ही स्थित है। सूत्रों के अनुसार वित्त मंत्री ने हलवा समारोह में भाग लिया, बजट प्रेस का दौरा किया और संबंधित अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। माना जा रहा है कि पिछले चार पूर्ण आम बजट और एक अंतरिम बजट की तरह इस बार भी आम बजट 2025-26 को कागज रहित रूप में पेश किया जाएगा। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और वित्त सचिव तुहिन कांत पांडेय के अलावा आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी समारोह में मौजूद थे। वार्षिक वित्तीय विवरण (जिसे बजट के रूप में जाना जाता है) अनुदान मांगें, वित्त विधेयक आदि सहित केंद्रीय बजट के सभी दस्तावेज 'केंद्रीय बजट मोबाइल ऐप' पर उपलब्ध होंगे। दरअसल 'हलवा' समारोह केंद्र सरकार के बजट की तैयारी में शामिल वित्त मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को 'अलग रखने' की प्रक्रिया है। यानी बाहर की दुनिया से वे पूरी तरह अलग-थलग होते हैं। ये अधिकारी और कर्मचारी संसद में बजट पेश होने तक नॉर्थ ब्लॉक के 'बेसमेंट' में ही रहते हैं। जहां पूरी गोपनीयता रखी जाती है। वित्त मंत्री के लोकसभा में अपना बजट भाषण पूरा करने के बाद ही वे बाहर आते हैं।

प्रधानमंत्री ने 'रुपये का शतक' लगवाने की ठान ली है : कांग्रेस

नयी दिल्ली : कांग्रेस ने डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और दावा किया कि वह रुपये का शतक लगवाकर ही मानेंगे। पार्टी के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में रुपये के मूल्य में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है तथा रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार से अरबों डॉलर खर्च करने के बावजूद रुपया संभल नहीं रहा है। सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार और अमेरिकी मुद्रा सूचकांक में नरमी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 18 पैसे की बढ़त के साथ 86.26 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया बृहस्पतिवार को नौ पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.44 पर बंद हुआ था।

ओला ने 'मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम' के आधार पर अलग किराये से किया इनकार

नयी दिल्ली : ऑनलाइन कैब बुकिंग की सेवाएं देने वाली कंपनी ओला ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि वह एकसमान मूल्य निर्धारण संरचना का पालन करती है। कंपनी ने यह भी कहा कि एक समान यात्रियों के लिए उपयोगकर्ताओं के 'मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम' (एंड्रॉयड और आईओएस) के आधार पर मूल्य निर्धारण में अंतर नहीं किया जाता है। ओला के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) को इस बारे में बता दिया है। सीसीपीए ने इस संबंध में कंपनी को नोटिस जारी किया था। प्रवक्ता ने कहा, ''हमारे पास अपने सभी ग्राहकों के लिए एकसमान मूल्य निर्धारण संरचना है और हम एक जैसी सवारी के लिए उपयोगकर्ता के मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम के आधार पर अंतर नहीं करते हैं।'' कंपनी ने कहा कि वह किसी भी गलतफहमी को दूर करने के लिए सीसीपीए के साथ मिलकर काम करेगी। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने पहले इस तरह की गतिविधियों को पहली नजर में अनुचित व्यापार व्यवहार और उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन करार दिया था।

अमूल ने देशभर में एक लीटर दूध के पैकेट के दाम एक रुपये घटाये

नयी दिल्ली : अमूल ब्रांड के तहत दुग्ध उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने देश भर में दूध की कीमतों में एक रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। हालांकि, कीमतों में यह कटौती केवल एक लीटर वाले पैकेट पर की गई है। जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' हमने समूचे भारत में एक लीटर वाले पैकेट की कीमतों में एक रुपये प्रति लीटर की कटौती की है।'' उन्होंने कहा, '' इसका मकसद उपभोक्ताओं को दूध के बड़े पैकेट खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है।'' दिल्ली में अमूल गोल्ड दूध की कीमत 68 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 67 रुपये कर दी गई है, जबकि अमूल ताजा की कीमत अब 56 रुपये प्रति लीटर से घटकर 55 रुपये हो जाएगी। वित्त वर्ष 2023-24 में जीसीएमएमएफ का कारोबार आठ प्रतिशत बढ़कर 59,445 करोड़ रुपये हो गया। मेहता ने पहले कहा था कि सहकारी समिति को मजबूत मांग के दम पर चालू वित्त वर्ष 2024-25 में राजस्व में दोहरे अंकों की वृद्धि की उम्मीद है। जीसीएमएमएफ ने गत वित्त वर्ष 2023-24 में औसतन प्रतिदिन 310 लाख लीटर दूध का प्रसंस्करण किया। इसकी कुल वार्षिक दूध प्रसंस्करण क्षमता लगभग 500 लाख लीटर है।

गणतंत्र दिवस के लिए अर्द्धसैनिक बलों की 70 कंपनियां, 15 हजार पुलिसकर्मी तैनात होंगे: दिल्ली पुलिस (पृष्ठ 7)

लिव इन को सामाजिक मंजूरी नहीं, फिर भी युवा इस ओर आकर्षित: उच्च न्यायालय

प्रयागराज : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा है कि यद्यपि समाज में 'लिव इन' की अनुमति नहीं है, फिर भी युवा ऐसे संबंधों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। अदालत ने कहा, समय आ गया है कि समाज में नैतिक मूल्यों को बचाने के लिए हमें कुछ रूपरेखा तैयार करनी चाहिए और समाधान निकालना चाहिए। न्यायमूर्ति नलिन कुमार श्रीवास्तव ने कहा, हम बदलते समाज में रहते हैं जहां परिवार, समाज या कार्यस्थल पर युवा पीढ़ी का नैतिक मूल्य और सामान्य आचरण बदल रहा है। अदालत ने इस टिप्पणी के साथ वाराणसी जिले के आकाश केशरी को जमानत दे दी। आकाश के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत सारनाथ थाने में मामला दर्ज किया गया था जिसमें आरोप लगाया गया कि उसने शादी के बहाने युवती से शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा, जहां तक 'लिव-इन संबंध' का सवाल है, इसे कोई सामाजिक स्वीकृति नहीं मिली है, लेकिन युवा लोग ऐसे संबंधों की ओर आकर्षित होते हैं, क्योंकि युवा, चाहे वह पुरुष हो या महिला, अपने साथी के प्रति अपने उत्तरदायित्व से आसानी से बच सकते हैं, इसलिए ऐसे संबंधों के प्रति उनका आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। सुनवाई के दौरान, याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि मुकदमे की यह कहानी मनगढ़ंत है क्योंकि पीड़िता बालिग है और दोनों के बीच परस्पर सहमति से शारीरिक संबंध बने। पीड़िता करीब छह साल तक आरोपी के साथ लिव इन संबंध में रही और गर्भपात कराने का आरोप झूठा है। वकील ने कहा कि आरोपी युवक ने कभी शादी का वादा नहीं किया और दोनों पारस्परिक सहमति से इस संबंध में रहे।

महाराष्ट्र: भंडारा ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में विस्फोट से 8 लोगों की मौत

मुंबई : पूर्वी महाराष्ट्र के भंडारा जिले में शुक्रवार सुबह ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की एक इकाई में हुए विस्फोट में आठ मजदूरों की मौत हो गई। वहीं इस घटना में पांच मजदूर घायल भी हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि करीब आठ घंटे के बाद बचाव अभियान पूरा होने पर मरने वालों की अंतिम संख्या आठ हो गई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मृत लोगों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।पीटीआई के मुताबिक विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि जिस इमारत में विस्फोट हुआ, वह पूरी तरह नष्ट हो गई। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि आसपास के तीन गांवों के निवासियों ने जमीन हिलती हुई महसूस की, जिसका 20 वर्षीय चचेरा भाई मृतकों में शामिल है। विस्फोट के तुरंत बाद ली गई तस्वीरों में घटनास्थल के ऊपर धुएं का एक बड़ा बादल उठता हुआ दिखाई दिया।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए आवेदन करने के नियम बदले, अब पहले ही जमा करने होंगे दस्तावेज

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया में बदलाव किया है। अब उम्मीदवारों को आवेदन करते समय ही अपनी आयु और आरक्षण संबंधी दावों के समर्थन में दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। पहले यह दस्तावेज केवल प्रारंभिक परीक्षा पास करने के बाद जमा करने की आवश्यकता होती थी। यह निर्णय पूर्व आईएएस प्रोबेशनर पूजा खेडकर के मामले के बाद लिया गया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने ओबीसी और विकलांगता कोटा का गलत तरीके से लाभ उठाकर सिविल सेवा में चयन प्राप्त किया। हालांकि, उन्होंने इन आरोपों का खंडन किया है।

महाकुंभ में अब साधु-संत भी करेंगे 'मन की बात'

महाकुंभनगर : रेडियो पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चर्चित कार्यक्रम 'मन की बात' की तर्ज पर प्रयागराज महाकुंभ में 'साधु कहें मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें साधु-संत सनातन धर्म के प्रमुख विषयों सहित विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे। कार्यक्रम के प्रवक्ता श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रकाशानंद ने बताया कि महाकुंभ के सेक्टर-20 में हरि धाम सनातन सेवा ट्रस्ट में 25 जनवरी को दोपहर दो बजे इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। स्वामी प्रकाशानंद के मुताबिक, इस आयोजन में संन्यासी, बैरागी और उदासीन सभी अखाड़ों के प्रमुख संतों के अलावा सभी हिंदू संप्रदायों के साधु-संत हिस्सा लेंगे, जिनमें तपोनिधि श्री पंचायती आनंद अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरी, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी, श्री पंच दशनाम आवाहन अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अरुण गिरी, महामंडलेश्वर कनकेश्वरी देवी, श्री पंच दिगंबर अनी अखाड़े के श्री महंत माधवदास, शनि धाम पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर परमहंस दाती महराज, श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़े के संपूर्णानंद ब्रह्मचारी, श्री दिगंबर अखाड़े के महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा शामिल हैं।

भारत और ब्रिटेन के बीच स्वास्थ्य व जीवन विज्ञान क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग के लिए समझौता

लंदन : भारत और ब्रिटेन ने स्वास्थ्य सेवा और जीवन विज्ञान के क्षेत्र में मजबूत संबंधों के साथ रणनीतिक साझेदार के रूप में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है, जिसका विशिष्ट उद्देश्य स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी और नवाचार क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करना है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग द्वारा बृहस्पतिवार को लंदन में हस्ताक्षरित 'हेल्थ एंड लाइफ साइंसेज पार्टनरशिप' में देश की राज्य-वित्त-पोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनए-चएस) में डिजिटलीकरण और नवाचार सहित कई क्षेत्र शामिल होंगे। ब्रिटेन के स्वास्थ्य एवं सामाजिक देखभाल विभाग (डीएचएससी) ने कहा, ''इससे स्वास्थ्य सेवा नवाचार और स्वास्थ्य सुरक्षा पर भारत के साथ ब्रिटेन की सहयोग साझेदारी मजबूत होगी।''

सीबीआई ने देश भर में 350 करोड़ रुपये के क्रिप्टो पोंजी घोटाले का भंडाफोड़ किया

नयी दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सात लोगों के खिलाफ 350 करोड़ रुपये के क्रिप्टो पोंजी घोटाले का मामला दर्ज करने के बाद इस सिलसिले में सात स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक आरोपी व्यक्ति कथित तौर पर दिल्ली, हजारीबाग, बठिंडा, रतलाम, वलसाड, पुडुक्कोट्टई और चित्तौड़गढ़ शहरों में स्थित सात अलग-अलग मॉड्यूल चला रहे थे, जो क्रिप्टोकरेंसी में निवेश का वादा करके निवेशकों से पैसे लेते थे। सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ''इन पोंजी योजनाओं को अनेक सोशल मीडिया समूहों के माध्यम से प्रचारित किया जा रहा था। बैंक खातों के लेन-देन और क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट्स के विश्लेषण से पता चला है कि इन योजनाओं से प्राप्त अवैध आय को क्रिप्टोकरेंसी में परिवर्तित किया जा रहा था ताकि उनकी उत्पत्ति को छिपाया जा सके।'' अधिकारियों ने बताया कि आरोप है कि इन योजनाओं में 350 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन किया गया। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को दिल्ली, झारखंड, पंजाब, मध्यप्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु और राजस्थान में कई स्थानों पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान, सीबीआई ने आरोपी व्यक्तियों के क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में कुल 38,414 अमेरिकी डॉलर (लगभग) की डिजिटल आभासी संपत्ति जब्त की, जिसे जांच के लिए डिजिटल रूप से सुरक्षित कर लिया गया था। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, ''तलाशी के परिणामस्वरूप 34.20 लाख (लगभग) रुपये नकद राशि बरामद हुई। इसके अलावा महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्यों के साथ, जिसमें सात मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट, तीन हार्ड डिस्क, 10 पेन ड्राइव, मेमोरी कार्ड, सिम कार्ड, एटीएम/डेबिट कार्ड, ईमेल खाते और कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं।''

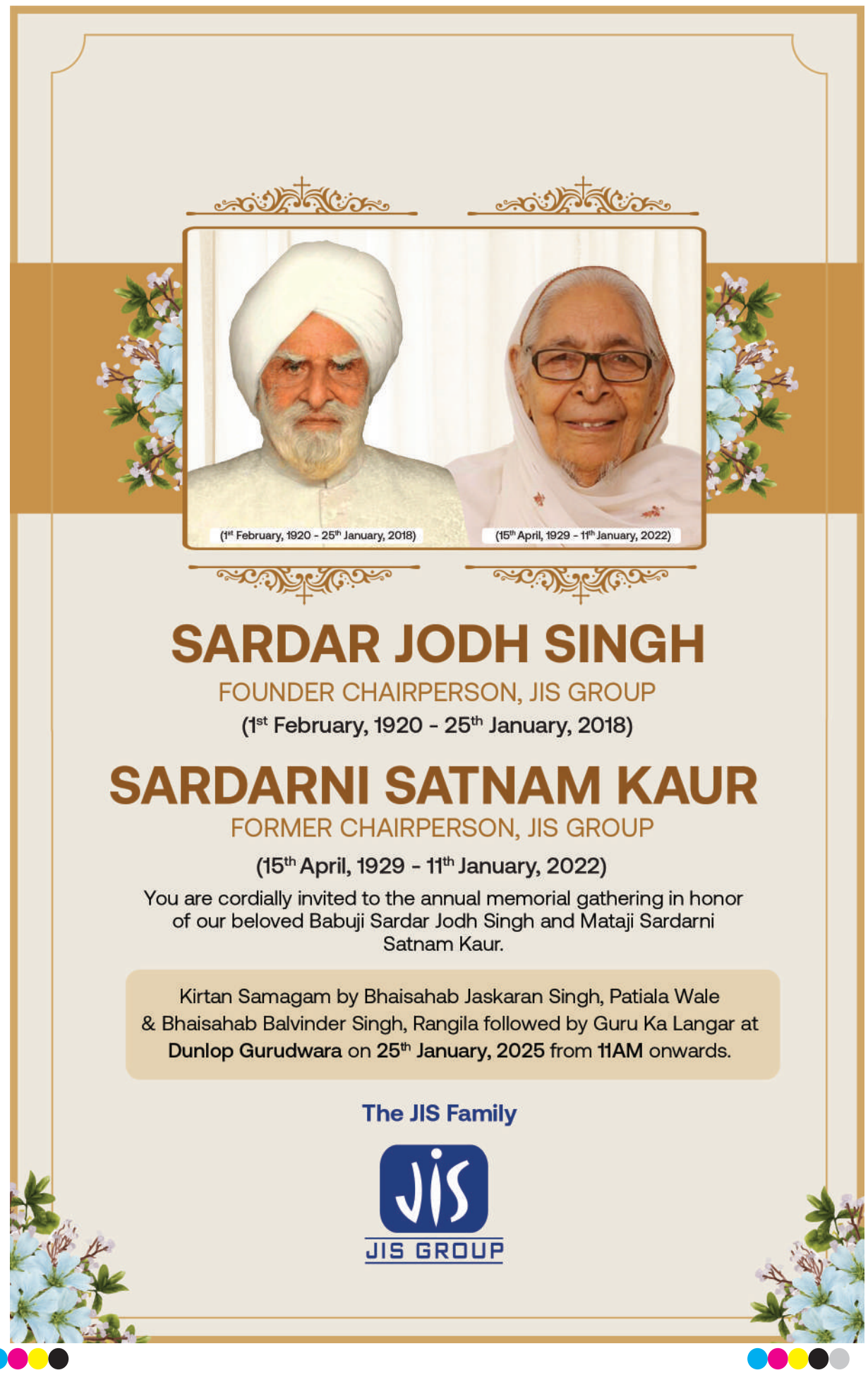

रेवड़ी का धंधा विकास करेगा मंदा

यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, उसके जनक विभिन्न राज्यों में कई राजनेता भी रहे हैं। लेकिन फिलहाल दिल्ली में केजरीवाल की चर्चा ज्यादा है। वे नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं। विडंबना यह है कि कुछ समय पहले तक भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने को राष्ट्रीय हितों के लिये घातक बताता था, वही भाजपा केजरीवाल को उसी की मुफ्त वाली नीतियों से मात देने के लिये चुनावी मैदान में उतरी है। दरअसल पिछले आम चुनाव में चार सौ पार के अरमानों को झटका लगने के बाद भाजपा भी मुफ्त के खेल में उलझ गई है। दौड़ में अब कांग्रेस भी उतर गई है। विडंबना यह है कि जो पैसा दीर्घकालिक विकास कार्यों में लगाया जाना चाहिए था, वह मुफ्त के फेर में फंस गया है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जिस भी महकमे ने मुफ्त में सेवाएं देनी शुरू की, उसका भट्ठा ही बैठा है। अब चाहे मुफ्त की बिजली हो, पानी हो या फिर बस सेवा। कमोबेश, यही हाल भारतीय रेलवे का भी है, जो राजनेताओं के किराये बढ़ाने के विरोध के बाद खुद को संभाल नहीं पा रही है। बड़ा तंत्र होने के बावजूद उसके सुरक्षातंत्र को मजबूत बनाने के लिये पर्याप्त लाभ नहीं कमाया जा सका। विडंबना यह भी है कि तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और दूरदर्शी राजनेताओं के अभाव में विकास की रोशनी हर घर तक नहीं पहुंची। लेकिन इसका समाधान मुफ्त के खेल में कदापि नहीं है।

निस्संदेह, मुफ्त की नीति लोगों को अकर्मण्य बनाती है। जरूरी था कि लोगों को इतना सक्षम बनाया जाता कि उन्हें स्थायी रोजगार का अवसर मिलता। फिर उन्हें मुफ्त मांगने की जरूरत ही नहीं होती। विडंबना यह है कि हमारे परिवार-समाज की धुरी मानी जाने वाली महिलाओं को प्रलोभन देने का खेल राष्ट्रीय स्तर पर शुरू हो गया है। पहले ये शुरुआत मध्यप्रदेश से हुई। फिर महाराष्ट्र में बहनों के लिये आर्थिक प्रोत्साहन राशि गेम चेंजर साबित हुई। अब वही कवायद दिल्ली के विधानसभा चुनाव में देखी जा रही है। दिल्ली की आप सरकार ने पहले मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के तहत एक हजार रुपये की राशि पात्र महिलाओं को बांटी। अबकी बार आप ने यह राशि बढ़ाकर 2,100 करने की घोषणा की है। इसी तर्ज पर भाजपा महिला समृद्धि योजना लेकर आई है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को 2,500 रुपये सत्ता में आने पर दिये जाने का वायदा है। इस मुफ्त के खेल में अब कांग्रेस भी उतर गई है, जिसने सभी पात्र महिलाओं को 2,500 मासिक देने की घोषणा की है। भाजपा व कांग्रेस को लगता है कि आप की मुफ्त की राजनीति को मुफ्त के दांव से ही शिकस्त दी जा सकती है। निस्संदेह, हमारी आधी दुनिया की अर्थव्यवस्था में वह भूमिका तय नहीं हो पायी, जो 21वीं सदी में होनी चाहिए थी। हमारे वंचित समाज की महिलाओं को आर्थिक आजादी दिया जाना तार्किक पहल है। लेकिन उन्हें स्वावलंबी बनाने की जरूरत है न कि याचक के रूप में मुफ्त की आर्थिक सहायता देने की। इससे न केवल सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ता है बल्कि मुफ्त की लत भी बढ़ती है। अर्थशास्त्रियों की राय से सहमत हुआ जा सकता है कि प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद राजकोषीय स्वास्थ्य के लिये खतरनाक है। जो कालांतर दीर्घकालीन विकास के लिये घातक साबित हो सकता है। निश्चित रूप से भारत के चुनाव आयोग को इस गंभीर मुद्दे पर पहल कर चुनावी प्रक्रिया की शुचिता को बनाने और राजकोषीय स्वास्थ्य की रक्षा की दिशा में पहल करनी चाहिए। सही मायनो में मुफ्तखोरी की संस्कृति भारतीय लोकतंत्र का मजाक ही है।

नये संकल्पों एवं नये प्रयोगों से समृद्ध होता गणतंत्र

ललित गर्ग

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है, इसी दिन 26 जनवरी, 1950 को हमारी संसद ने भारतीय संविधान को पास किया। इस दिन भारत एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इसने ब्रिटिश शासन के भारत सरकार अधिनियम 1935 को पूरी तरह खत्म कर दिया और अपना स्वतंत्र संविधान इसी दिन लागू किया। इस वर्ष 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इस वर्ष की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। किसानों, शिक्षकों, न्यायविदों, मजदूरों, वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और इंजीनियरों की विविध भूमिकाओं की सामूहिक शक्ति हमारे देश को 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान' की भावना के अनुरूप आगे बढ़ने में सक्षम बना रही है। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के साथ-साथ पूरे भारत से कई ऐसे लोगों को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिन्होंने अपने गांव, समाज एवं राष्ट्रमें विकास के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किया है, इस तरह इस बार गणतंत्र दिवस समारोह ऐसे अनेक नये प्रयोगों एवं प्रदर्शनों का साक्षी बन रहा है।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विशिष्ट संविधान माना जाता है। भारत की संविधान सभा ने दुनिया के सभी संविधानों का अध्ययन किया और हर संविधान के विशिष्ट प्रावधानों को अपने संविधान में शामिल किया। नागरिक स्वतंत्रता के जितने अधिकार भारतीय संविधान में हैं उतने दुनिया के किसी अन्य संविधान में नहीं। भारतीय संविधान की दूसरी विशेषता संविधान की विशालता एवं समग्रता है। भारतीय संविधान में धर्मनिरपेक्षता का प्रावधान तो है लेकिन इसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्मानुसार आचरण करने की पूरी स्वतंत्रता है। इसमें नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य की स्पष्ट विवेचना है। इसमें संघात्मकता भी है और एकात्मकता भी है। भारतीय संविधान में सत्ता चयन के लिये संसदीय प्रणाली को सुनिश्चित किया है तथा संचालन के लिये विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे तीन अंग सुनिश्चित किये। भारतीय संविधान में केंद्र और राज्य सरकार के बीच विषयों और कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। केन्द्र सरकार को कुछ आपात अधिकार भी दिये गये हैं जिससे वह केन्द्र राज्य में हस्तक्षेप कर सकता है। इतने अनूठे, विलक्षण एवं समग्र संविधान के बावजूद छिहत्तर वर्षों में हमारा गणतंत्र कितनी ही कंटीली झाड़ियों में फँसा रहा। लेकिन अब इन राष्ट्रीय पर्वों को मनाते हुए संप्रभुता का अहसास होने लगा है। गणतंत्र का जब हम जश्न मनाते हैं, तो उसमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना भी जागती है तो अब तक कुछ न कर पाने की बेचैनी भी दिखती है। हमारी जागती आंखो से देखे गये स्वप्नों को आकार देने का विश्वास मुखर होता है तो जीवन मूल्यों को सुरक्षित करने एवं नया भारत निर्मित करने की तीव्र तैयारी सामने आती है। अब होने लगा है हमारी स्व-चेतना, राष्ट्रीयता एवं स्व-पहचान का अहसास। जिसमें आकार लेते वैयक्तिक, सामुदायिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक अर्थ की सुनहरी छटाएं हैं।

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस हमारी उन सफलताओं की ओर इशारा करता है जो इतनी लंबी अवधि के दौरान अब जी-तोड़ प्रयासों के फलस्वरूप मिलने लगी हैं। यह हमारी विफलताओं पर भी रोशनी डालता है कि हम नाकाम रहे तो आखिर क्यों! क्यों हम राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सुदृढ़ता नहीं दे पाये हैं? क्यों गणतंत्र के सूरज को राजनीतिक अपराधों, घोटालों और भ्रष्टाचार के बादलों ने घेरे रखा है? यह सही है और इसके लिए सर्वप्रथम जिस इच्छा-शक्ति की आवश्यकता है, वह हमारी शासन-व्यवस्था एवं शासन नायकों में सर्वात्मना नजर आनी चाहिए और ऐसा होने लगा है तो यह सुखद अहसास है। बावजूद अभी भी देश की राजनीति अनेक विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से घिरी है। यह विडंबना है कि आजादी की हीरक जयंती मना चुके देश में मतदाता को हम इतना जागरूक नहीं बना पाए कि वो अपने विवेक से मतदान कर सके। निस्संदेह, यदि देश में गरीबी और आर्थिक असमानता है तो हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है। लेकिन हम में कम से कम इतना राष्ट्र प्रेम तो होना चाहिए कि निहित स्वार्थों के लिये हम राष्ट्रीय हितों की बलि न चढ़ाएं। दिल्ली के चुनाव में मुफ्त-मुफ्त का जो खेल विधानसभा चुनाव प्रक्रिया के दौरान चल रहा है, तीनों प्रमुख रजनीतिक दल नित नये राजनीतिक प्रलोभन देकर मतदाताओं को अपने पाले में लाने के प्रयास में जुटे हैं।

एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी। उनके तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही है, कुछ समय पूर्व हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा। काशी में विश्वनाथ धाम का जो विकास हुआ है, उसे देखा। इनदिनों प्रयागराज में महाकुंभ का दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक अनुष्ठान होते हुए हम देख रहे हैं। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर किया जा सकता है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे दुनिया की महाशक्तियों के बीच भी अडिग खड़ी रह सकती है? कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए भारत में धर्मस्थलों और तीर्थों के विकास की किसी भी पहल की भी प्रशंसा होनी ही चाहिए। महाकुंभ की एक चमत्कारपूर्ण एवं विलक्षण आभा सामने आयी है, जो हमे गर्वित कर रही है।

भारत के गणतंत्र में और भी चार-चांद लग रहे हैं, जैसे प्रयागराज हो, काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य- ये अजूबे एवं चौंकाने वाले लगते हैं। इन परिदृश्यों को केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह मनाते हुए विशेष रूप से गौरवान्वित करेंगी। वाकई यहां अब कोई संदेह शेष नहीं है कि मोदी सरकार देश व समाज को बदल रही है, लोगों का जीवनस्तर उन्नत कर रही है। धार्मिक स्थलों को भव्य रूप ही नहीं दिया जा रहा है बल्कि उनसे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, सीमाओं की सुरक्षा भी बेखूबी हो रही है, समुंदर में हजारों किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर भी बिछाया जा रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज भी बनाये जा रहे हैं, उन्नत सड़कों का जाल बिछ रहा है, गरीबों को पक्के मकान भी बनाकर दिये जा रहे हैं, रोजगार, पर्यावरण-सुरक्षा, चिकित्सा, शिक्षा की अनूठी व्यवस्थाएं भी हो रही है। मतलब वर्तमान शासन-नायकों को विरासत और विकास की समन्वित चिंता है। हिंदुत्व की चिंता है, तो विकास की भी पूरी फिक्र है। अब सुधार, सुशासन, स्व-संस्कृति, स्व-पहचान के दीपक जल उठे हैं, तो उसकी रोशनी तमाम देशवासियों को नया विश्वास, नया आश्वास, नया विकास एवं सुखद जीवनशैली दे रही है।

भारत के संवैधानिक एवं संप्रभुता सम्पन्न राष्ट्र बनने की 76वीं वर्षगांठ मनाते हुए हम अब वास्तविक भारतीयता का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, नक्सलवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल रही है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम प्रधानमंत्री के मुख से नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत को आकार लेने के संकल्पों की बात सुनते हैं। गणतंत्र दिवस का उत्सव मनाते हुए यही कामना है कि पुरुषार्थ के हाथों भाग्य बदलने का गहरा आत्मविश्वास सुरक्षा पाये। एक के लिए सब, सबके लिए एक की विकास गंगा प्रवहमान हो।

दलितों को लुभाने के लिए कांग्रेस का नया अभियान: जय बापू, जय भीम

अजय कुमार

कांग्रेस इन दिनों अपनी खोई हुई सियासी जमीन को दोबारा पाने के लिए जी-जान से जुटी हुई है। वर्षों से सत्ता के केंद्र में रही यह पार्टी, अब देश के हर हिस्से में अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही है। इसी क्रम में कांग्रेस ने 'जय बापू, जय भीम और जय संविधान' नामक अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान देशभर में कांग्रेस के लिए एक नई ऊर्जा का माध्यम बन रहा है, जिसका उद्देश्य दलित समाज के बीच अपनी पुरानी पहचान को फिर से स्थापित करना है। इस अभियान का आगाज दिल्ली के सीलमपुर से हुआ, फिर कर्नाटक के बेलगाम में इसकी गूंज सुनाई दी और अब अगला पड़ाव डॉ. भीमराव आंबेडकर की जन्मस्थली महू है, जहां 28 जनवरी को एक विशाल जनसभा होने वाली है।

इस अभियान के जरिए कांग्रेस ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं कि वह दलित समाज के दिल और दिमाग में एक बार फिर जगह बनाना चाहती है। आजादी के शुरुआती वर्षों में कांग्रेस दलितों के लिए सबसे बड़ा सियासी मंच हुआ करती थी, लेकिन अस्सी के दशक में बसपा के उदय के बाद यह समीकरण पूरी तरह बदल गया। उत्तर भारत के कई राज्यों में दलित वोट कांग्रेस से खिसककर बसपा की झोली में चले गए। वहीं, पिछले कुछ दशकों में बीजेपी ने भी दलितों के एक बड़े हिस्से को अपने साथ जोड़ने में सफलता हासिल की। 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने आरक्षण और संविधान जैसे मुद्दों के जरिए दलित समाज के बीच नई उम्मीदें जगाई थीं, और अब वह इस विश्वास को और मजबूत करने के लिए मैदान में उतर आई है।

कांग्रेस का यह कदम बसपा की राजनीति से प्रेरित नजर आता है। जिस तरह से बसपा ने नीला झंडा, हाथी का निशान और 'जय भीम' के नारों से अपनी पहचान बनाई थी, उसी राह पर अब कांग्रेस भी चलती दिख रही है। कांग्रेस नेता, जिनमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हैं, नीला अंगवस्त्र धारण कर मंच साझा कर रहे हैं और डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीरें मंच की शोभा बढ़ा रही हैं। जय भीम का नारा, जो कभी बसपा की पहचान हुआ करता था, अब कांग्रेस की सभाओं में गूंज रहा है।

डॉ. आंबेडकर की राजनीतिक और सामाजिक विरासत आज केवल दलितों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत की राजनीति का केंद्र बन चुकी है। दलित समाज के लिए आंबेडकर एक प्रेरणा हैं, एक मसीहा हैं, और कांग्रेस इसे भलीभांति समझती है। यही वजह है कि आंबेडकर के नाम को लेकर कांग्रेस ने एक ठोस रणनीति बनाई है। बीजेपी नेता अमित शाह द्वारा आंबेडकर पर की गई टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाकर बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने इस मामले को लेकर न केवल बीजेपी पर निशाना साधा, बल्कि दलित समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की।

कांग्रेस का यह अभियान केवल एक राजनीतिक योजना नहीं है, बल्कि एक विचारधारा को फिर से जीवित करने की कोशिश है। यह अभियान उन दलितों तक पहुंचने का प्रयास है, जो मायावती के नेतृत्व में बसपा से निराश होकर अब सपा या बीजेपी के साथ जुड़ गए हैं। कांग्रेस का मानना है कि बसपा की कमजोर होती पकड़ के बाद दलित वोटर्स स्थायी रूप से किसी एक पार्टी से नहीं जुड़े हैं। ऐसे में कांग्रेस के पास मौका है कि वह अपने पुराने कोर वोट बैंक को वापस हासिल कर सके।

2024 के लोकसभा चुनावों ने कांग्रेस के इस विश्वास को और मजबूत किया है। इन चुनावों में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने दलित बहुल क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। बीजेपी, जिसने 2014 और 2019 में दलित वोटों पर बड़ा कब्जा जमाया था, इस बार कमजोर पड़ी। सीएसडीएस के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में बीजेपी को केवल 31% दलित वोट मिले, जो 2019 के मुकाबले 3% कम थे। वहीं, कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने दलित वोटों में बड़ा हिस्सा पाया। इन चुनावों में दलित बहुल 156 लोकसभा सीटों में से 93 सीटें विपक्षी गठबंधन के खाते में गईं।

देश में दलित समाज की जनसंख्या का महत्व किसी से छिपा नहीं है। 2011 की जनगणना के अनुसार, दलितों की आबादी 17% है, जो 20 करोड़ से ज्यादा है। 543 लोकसभा सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, लेकिन दलितों का सियासी प्रभाव 150 से अधिक सीटों पर देखा जाता है। ऐसे में दलित वोट किसी भी पार्टी के लिए सत्ता तक पहुंचने की कुंजी हो सकते हैं।

कांग्रेस के लिए यह समय निर्णायक है। दलित समाज के बीच अपनी खोई हुई जगह को पाने के लिए उसने पूरी ताकत झोंक दी है। इस अभियान के तहत न केवल बड़ी रैलियां और जनसभाएं आयोजित की जा रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। 28 जनवरी को महू में होने वाला कार्यक्रम इस अभियान का अहम हिस्सा है, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य प्रमुख नेता शामिल होंगे।

यह साफ है कि कांग्रेस दलितों को लुभाने के लिए पूरी तरह से बसपा की शैली को अपना रही है। इसके तहत पार्टी ने डॉ. आंबेडकर को अपने एजेंडे का केंद्र बनाया है और उनके नाम पर दलित समाज से संवाद स्थापित करने का प्रयास कर रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस का यह प्रयास कितना सफल होता है। लेकिन एक बात तय है, देश के बदलते सियासी परिदृश्य में दलित समाज के लिए कांग्रेस की यह कवायद एक नई सियासी दिशा तय कर सकती है।

-उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार

आज का पंचांग

कोलकाता : 25 जनवरी, शनिवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, माघ कृष्णपक्ष एकादशी, 20:27 तक, नक्षत्र : अनुराधा, 07:00 तक, योग : ध्रुव, 28:32 तक, सूर्योदय: 6:19, सूर्यास्त: 17:20 चन्द्रोदय : 02:30, चन्द्रास्त: 13:15, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मकर, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 09:05 से 10:27

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। व्यवसाय में किसी के साथ साझेदारी में काम करना अच्छा रहेगा। कोई सरकारी टेंडर आपको मिलता दिख रहा है।

वृष : आज का दिन आपके लिए कुछ विशेष कर दिखाने के लिए रहेगा। आप किसी निवेश को सोच समझ कर करें और आप किसी की सलाह पर न चलें।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपको किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का मौका मिल सकता है। भाई व बहनों से किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है।

कर्क : आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। दोस्तों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

सिंह : आज का दिन आपके लिए खर्चो भरा रहने वाला है। परिवार में सुख शांति बनी रहेगी। पिताजी आपके कामों को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। आपके ऊपर जिम्मेदारियां बनी रहेगी।

कन्या : आज का दिन आपके लिए आध्यात्मिक कार्यो से जुडकर नाम कमाने के लिए रहेगा। बिजनेस में भी आपको किसी बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिल सकता है।

तुला : आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। धन संबंधित मामलों पर आपको पूरा ध्यान देना होगा। कार्यक्षेत्र में आपको किसी सम्मान के मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला रहेगा। सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आप कोई नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छा रहेगा।

धनु : आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आपको कोई निराशा-जनक सूचना सुनने को मिल सकती है।

मकर : आज का दिन आपके लिए मिश्रित रुप से फलदायक रहने वाला है। रचनात्मक कार्य में आपकी काफी रुचि रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कोई झूठा आरोप लग सकता है।

कुम्भ : आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहने वाला है। आप कोई काम बिना सोचे समझे ना करें, नहीं तो समस्याएं बढ़ सकती हैं। आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मीन : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपके सुख साधनों में वृद्धि होगी। परिवार के सदस्यों में भी आपसे प्रेम बना रहेगा, जिससे खुशियां भरपूर रहेंगी।

विदेश की खबरें

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अधिक वैश्विक सहयोग की जरुरत : स्मृति ईरानी

दावोस : पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला सशक्तीकरण पर अधिक वैश्विक सहयोग का आह्वान करते हुए कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) जैसी नवीनतम तकनीकी प्रगति के साथ महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने की वकालत की है। 'एलायंस फॉर ग्लोबल गुड- जेंडर इक्विटी एंड इक्वैलिटी' की संस्थापक एवं अध्यक्ष ईरानी ने स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से इतर एक साक्षात्कार में यह बात कही। ईरानी ने गठबंधन के माध्यम से महिलाओं के उत्थान के प्रयासों का हवाला देते हुए वैश्विक सहयोग की

आवश्यकता पर बल दिया। ईरानी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'हमारा मिशन दुनिया भर के लोगों को जोड़ना और व्यवसाय में महिलाओं को सशक्त बनाना, उनके कौशल का निर्माण करना तथा उनके स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करना है।' उन्होंने इन प्रयासों को आगे बढ़ाने में बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महत्वपूर्ण सहयोग का भी उल्लेख किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'अब तक हमने 4,000 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए परियोजनाएं शुरू की हैं। इस साल, खास तौर पर दावोस में हमने महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। भारत में हमारा लक्ष्य लगभग 250 स्थानों तक पहुंचना और एक लाख महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना है।'

लॉस एंजिलिस की यात्रा से पहले ट्रंप ने कैलिफोर्निया की जल नीति पर साधा निशाना

वाशिंगटन : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जंगल में लगी भीषण आग से प्रभावित कैलिफोर्निया की यात्रा से पहले राज्य की जल नीति की आलोचना की। सात जनवरी को आग लगने के बाद से ट्रंप सोशल मीडिया और साक्षात्कारों के जरिये लॉस एंजिलिस शहर के दक्षिणी हिस्सों में पानी भेजने के बजाय बहुत ज्यादा जल प्रशांत महासागर में प्रवाहित करने का आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि पैसिफिक पैलिसेड्स में आग लगने के शुरुआती घंटों के अंदर ही पानी छोड़ने वाले पंप सूख चुके थे।

सीनेट ने ट्रंप के रक्षा मंत्री के रूप में पीट हेगसेथ का नाम आगे बढ़ाया

वाशिंगटन : अमेरिका की सीनेट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रक्षा मंत्री के रूप में पीट हेगसेथ का नाम को आगे बढ़ाया है। हालांकि, डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने हेगसेथ पर लगे आरोपों और अमेरिकी सेना का नेतृत्व करने में अनुभव की कमी को लेकर उनके नाम पर कड़ी आपत्ति जताई। अलास्का की सीनेटर लीसा मुर्कोव्स्की और माइने की सीनेटर सुसान कोलिन्स ने भी हेगसेथ का समर्थन करने से इनकार कर दिया है और ट्रंप एवं उनके सहयोगियों से नाता तोड़ लिया है जो कि हेगसेथ के नाम पर पुष्टि के लिए व्यापक अभियान चला रहे हैं। भूतपूर्व सैनिक और 'फॉक्स न्यूज' के मेजबान रहे हेगसेथ पर अत्यधिक शराब पीने और महिलाओं के प्रति आक्रामक व्यवहार करने के आरोप रहे हैं, जिसका उन्होंने खंडन किया है। उनके नाम पर पुष्टि के लिए 49 के मुकाबले 51 वोट पड़े और अंतिम वोट शुक्रवार को होने की उम्मीद है।

वर्ग पहेली नं. 2986

1		2	3	■	4		5	■	6
■	■	7		8	■	■	9		
10			■	11		12	■	■	
	■	■	13		■	14		15	
16	17			■	18		■		■
■		■	19		■	20	21		22
23		24		■	25	■		■	
26			■	27		28		■	
	■	29			■	30			

⊃ *बायें से दायें:-* 1) फ़रेबी; चार सौ बीस; धांधलिया; घोटालेबाज़; धोखेबाज़ 4) एक नर पक्षी, 7) अनैतिक; धर्मनिषिद्ध *(आहार)*; पाप, 9) पिता, 10) बग़ल; बाज़ू; इर्दगिर्द; नज़दीकी, 11) लावण्यमय, 13) कोलाहल; आक्रमण, 14) एक कटिभूषण गहना, 16) गली के समान छोटा रास्ता; *कारीडोर*, 18) मृत्युदंड, 19) विद्रूप; असंस्कृत; कुरूप, 20) दर्शनीय; सुरम्य, 23) भड़कीला; चमकीला, 26) समुद्री नहर *(अंग्रेजी)*, 27) इधर से उधर तक, 29) नाविक, 30) भेदभावहीनता.

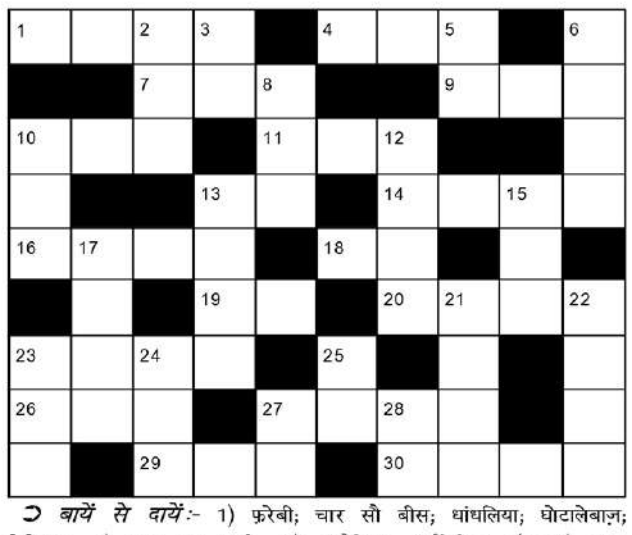

⊃ *ऊपर से नीचे:-* 2) बहादुरी, 3) कम; कुछ, 5) विद्युतपात; मेघगर्जना, 6) संकटसूचना, 8) टोला; नगर का भाग; बस्ती; *कालोनी*, 10) खाट, 12) नाक से रक्तस्राव, 13) जो सूखा न हो; पल्लवयुक्त, 15) पृथ्वी, 17) गले लगाना, 21) सुंदर स्त्री, 22) द्वितीयो नास्ति; बेमिसाल; अपने जैसा एक, 23) लुकाछिपी; धोखा, 24) स्तंभ *(अंग्रेजी)*, 25) पौ; तड़का, 27) खेदसूचक गहरा साँस, 28) बग़ल का.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

आ	वा	ग	म	न	■	म	स	ख़ा	रा
■	■	र्दि	■	ग	म	ला	■	ल	■
नि	र्दे	श	क	■	ह	ल	च	ल	■
तं	■	■	पा	क्षि	क	■	ट	■	क
ब	क	वा	स	■	दा	■	क	चौ	ड़ी
■	ला	■	■	ह	र	द	म	■	■
क	म	ल	ना	ल	■	■	ट	टो	ल
लिं	■	हैं	■	■	पा	ल	क	■	फं
गा	■	गा	य	भै	स	■	■	चं	गा

⊃ शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2946

1							6	
				8		3		
					2			
			5			8		4
				3		2		
9								
		4	6				7	
			1				9	
	8							

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2945 का उत्तर

5	4	8	2	3	7	6	1	9
9	1	6	5	4	8	2	3	7
7	2	3	9	6	1	5	8	4
3	9	7	6	2	4	8	5	1
6	8	4	1	9	5	7	2	3
2	5	1	7	8	3	4	9	6
1	3	5	8	7	6	9	4	2
8	7	2	4	1	9	3	6	5
4	6	9	3	5	2	1	7	8

बाघाजतिन, टेंगरा, बिधाननगर के बाद अब तोपसिया में झुकी बिल्डिंग, बना डर का माहौल

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के खास इलाके में फिर से एक और बहुमंजिला बिल्डिंग के हिलने की घटना सामने आई है। बाघाजतीन, टेंगरा और विधाननगर के बाद अब तोपसिया में एक अपार्टमेंट की दीवार के सहारे एक और बहुमंजिला इमारत झुकी हुई है। इसके लिए कुछ लोहे की बीम से दोनों इमारतों के बीच सहारा दिया गया है। इस स्थिति को देखकर दोनों इमारतों के रहवासी डर और चिंता में हैं। यह घटना कोलकाता नगर निगम के 59 नंबर वार्ड के 12 नंबर लोकनाथ बोस गार्डन लेन में घटित हुई है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक लगभग 7-8 साल पहले यह बिल्डिंग बनकर तैयार हुई थी और तभी से यह झुकने लगी थी। प्रत्येक मंजिल पर एक बीम रखी गई है, और अगर नीचे से ऊपर की ओर देखा जाए तो यह साफ नजर आता है कि दोनों इमारतें एक-दूसरे के बहुत करीब आ गई हैं। यहां सवाल

यह उठता है कि इतने समय से इमारत इस हालत में क्यों बनी रही? इस पर 59 नंबर वार्ड की काउंसलर जली बिश्वास ने बताया, यह मामला हमारे ध्यान में आया है, पहले हमें इसकी जानकारी नहीं थी। नगर निगम के कार्यकारी इंजीनियर (सिविल) ने मुझसे वार्ड के पुराने बहुमंजिला इमारतों की जानकारी मांगी है, जिसे मैं भेज दूंगी।

खतरनाक बिल्डिंग पर सख्त निगरानी, निगम का अवैध निर्माण के खिलाफ कड़ा कदम

कोलकाता में लगातार बिल्डिंग के हिलने की घटनाओं एक गंभीर मुद्दा बन चुका है। कोलकाता नगर निगम ने अवैध निर्माणों को रोकने के लिए कठोर कदम उठाने का निर्णय लिया है। अब नगर निगम का आदेश है कि कोई भी निर्माण पूरी तरह से तैयार होने से पहले अगर अवैध पाया गया, तो उसे तत्काल ध्वस्त कर दिया जाएगा। इस प्रक्रिया को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में इंजीनियर मौके का निरीक्षण करेंगे और सभी जरूरी जानकारियां जुटाएंगे। दूसरे चरण में, एक ही दिन के अंदर इन जानकारियों की रिपोर्ट तैयार की जाएगी। अगर किसी भवन के पास उचित निर्माण दस्तावेज नहीं होंगे, तो उसका फोटो नगर निगम द्वारा विकसित ऐप पर अपलोड किया जाएगा। जैसे ही रिपोर्ट मिलेगी, तुरंत कार्रवाई की जाएगी और अवैध निर्माण को तोड़ने का आदेश दिया जाएगा। कोलकाता नगर निगम के सूत्रों के अनुसार, शहर में वर्तमान में करीब 3,046 खतरनाक इमारतें हैं, जिनमें से 1,500 से 2 हजार इमारतें उत्तर और मध्य कोलकाता में स्थित हैं। इनमें से 30% इमारतों को उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में रखा गया है, जबकि 10% इमारतें गंभीर जोखिम जोन में आती हैं। 100 इमारतें अत्यधिक खतरनाक श्रेणी में हैं। सबसे ज्यादा खतरनाक इमारतें मध्य कोलकाता में हैं, जबकि उत्तर कोलकाता के 4 और 5 नंबर वार्ड में भी कई खतरनाक इमारतें हैं। इसके अलावा, नगर निगम के बिल्डिंग विभाग ने यह भी बताया कि शहर में 30 इमारतें झुकी हुई हैं। पिछले 5 वर्षों में, केवल 70 खतरनाक बिल्डिंग की मरम्मत हो पाई है।

सीबीआई ने आरजीकर मामले में दोषी के लिए मृत्युदंड की मांग पर हाईकोर्ट में अपील की

✒ 27 जनवरी को सुनवाई करेगा कोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आरजीकर अस्पताल दुष्कर्म एवं हत्या मामले के दोषी संजय रॉय के लिए मृत्युदंड की मांग करते हुए शुक्रवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में अपील की। बता दें कि संजय रॉय के लिए मृत्युदंड की मांग अधीनस्थ अदालत से खारिज हो जाने के बाद सीबीआई ने उच्च न्यायालय का रूख किया है। न्यायमूर्ति देबांगसु बसाक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि वह 27 जनवरी को सीबीआई की अपील पर सुनवाई करेगी और साथ ही राज्य सरकार की उस प्रार्थना पर भी सुनवाई करेगी जिसमें इसी तरह की याचिका के साथ उसकी अपील को स्वीकार करने का अनुरोध किया गया है। इस

दिन, उप सॉलिसिटर जनरल राजदीप मजूमदार ने खंडपीठ के सामने इस मामले का उल्लेख करते हुए उससे सीबीआई की याचिका पर शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध किया। सीबीआई का प्रतिनिधित्व करते हुए मजूमदार ने कहा कि मामले की जांच कर चुकी इस केंद्रीय एजेंसी को सजा की अपर्याप्तता के आधार पर अधीनस्थ अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती देने का अधिकार है। उल्लेखनीय है कि सियालदह की एक अधीनस्थ अदालत ने 20 अगस्त को रॉय को जीवन की आखिरी सांस तक के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति बसाक और न्यायमूर्ति शब्बर रशीदी की खंडपीठ ने 22 जनवरी को कहा था कि राज्य सरकार की अपील को स्वीकार करने/न करने पर निर्णय लेने से पहले वह सीबीआई, मृत चिकित्सक के परिवार वालों एवं दोषी का पक्ष सुनेगी।

गणतंत्र दिवस के मौके पर शहर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

दो हजार से अधिक पुलिस कर्मियों की तैनाती

कोलकाता, समाज्ञा : गणतंत्र दिवस के मौके पर रविवार को कोलकाता में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी जाएगी। इस दिन शहर में सुरक्षा को लेकर सावधानियां सामान्य हैं, लेकिन इस वर्ष बांगलादेश मुद्दे के कारण घुसपैठियों को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। इसी कारण पुलिस ने अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की योजना बनाई है। कोलकाता पुलिस द्वारा जारी किए गए बयान में बताया गया है कि रविवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 119 इंस्पेक्टर, 46 एससीपी रैंक के पुलिस अधिकारी, 22 डीसी सहित कुल 2,300 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। शहर के विभिन्न स्थानों पर नाका चेकिंग की जाएगी और होटलों तथा रेस्टोरेंट्स में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी। साथ ही,

कोलकाता म्यूजियम, अलीपुर चिड़ियाखाना और धर्मतला चौक पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सिर्फ रेड रोड पर 11 वॉच टावर लगाए जाएंगे और शहर के 22 विशेष क्षेत्रों में अलग से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा, गणतंत्र दिवस की परेड के दौरान सुबह साढ़े 5 बजे से कोलकाता के कई मार्गों को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद किया जाएगा, जो परेड समाप्त होने के बाद फिर से खोल दिए जाएंगे। इस दौरान, हस्पिटल रोड, लवर्स लेन, खिदिरपुर रोड, आरआार एवेन्यू, गोष्ठ पाल सरणी, क्वीन्स वे, प्लासी गेट रोड, डफलिन रोड, आउटराम रोड, एस्केप्लानेड रैंप बंद रहेंगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने अभिषेक बनर्जी की सेवाश्रय सेवा पर उठाए सवाल

✒ कहा... 'सरकारी प्रयासों के सिवाय इस तरह के प्रयासों से चिकित्सा प्रणाली में नहीं आएगा कोई बदलाव'

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने शुक्रवार को निजी पहल से अभिषेक की सेवाश्रय सेवा पर इशारों में सवाल उठाए और इसकी सफलता पर संदेह व्यक्त किया। इस दिन, दक्षिण 24 परगना जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र बारुईपुर में बिमान बनर्जी एक निजी डायलिसिस केंद्र का उद्घाटन करने गए थे। वहां उनसे अभिषेक द्वारा शुरू की गई स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के बारे में जब पत्रकारों द्वारा पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि अभिषेक ने यह अपनी व्यक्तिगत पहल पर की है। इसका सरकार से कोई संबंध नहीं है। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष ने अभिषेक को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया और इसे अच्छी पहल बताया। लेकिन, इसी के साथ उन्होंने सेवाश्रय की सफलता पर संदेह जताया। बिमान ने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से नहीं लगता कि इस तरह के प्रयासों से चिकित्सा प्रणाली में कोई बदलाव आएगा, सिवाय सरकारी प्रयासों के। अभिषेक की निजी पहल की सफलता पर संदेह व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी चिकित्सा सेवाएं यह सरकार की जिम्मेदारी है। मेरे लिए यह कहना कठिन है कि कोई भी व्यक्ति सरकारी चिकित्सा उपचार की व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेगा।

शुभेंदु ने एक्सपायर सेलाइन देने के मामले में ममता का इस्तीफा मांगा

सेलाइन कांड में मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग पर भाजपा ने कोलकाता में निकाली विरोध रैली

कोलकाता, समाज्ञा : विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में कथित तौर पर एक्सपायर सेलाइन चढ़ाने के कारण एक महिला व नवजात की हाल में हुई मौत को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग शुक्रवार को फिर दोहराई। सेलाइन कांड में मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग पर भाजपा द्वारा कोलकाता में कॉलेज स्कायर से मोहम्मद अली पार्क तक आयोजित मार्च में शुभेंदु ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ हिस्सा लिया। मार्च में हजारों भाजपा समर्थक शामिल हुए और वे हाथों में सलाइन की बोतलें भी लिए हुए थे

और नारे लगा रहे थे, एक मांग, मुख्यमंत्री का इस्तीफा। शुभेंदु ने ममता सरकार पर इस मामले में दोष हटाने के लिए डॉक्टरों को फंसाने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य सरकार से सेलाइन कांड में मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के 12 डाक्टरों का निलंबन तत्काल वापस लेने की मांग की। मोहम्मद अली पार्क के निकट आयोजित विरोधी रैली में शुभेंदु ने कहा कि मैं भाजपा की डॉक्टर शाखा के सदस्यों के साथ राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस से मिलूंगा और उन्हें स्थिति से अवगत कराऊंगा। भाजपा नेता ने इस घटना के लिए स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी संभाल रही ममता बनर्जी और स्वास्थ्य सचिव निगम को जिम्मेदार ठहराया। शुभेंदु ने रैली को कॉलेज स्कायर से एस्प्लेनेड तक नहीं जाने देने के लिए पुलिस की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ममता प्रशासन डरा हुआ है। उन्होंने हमारी रैली को एस्प्लेनेड तक पहुंचने से रोक दिया, इसलिए हम इसे सीआर एवेन्यू पर मोहम्मद अली पार्क के पास इसे आयोजित कर रहे हैं। यहां लोगों की भीड़ देखिए।

एमजी लाइन के साथ बीजी लाइन कनेक्शन का प्रावधान और एमजी लाइन का रूपांतरण

ई-निविदा सूचना सं. एससीएल/इंजी./11, 2025; दिनांक: 20-01-2025। निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्र.सं. 1। आइटम का संक्षिप्त विवरण:** डीईएन/V/लामडिंग के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत निश्चितपुर (एनसीटीपी) में एमजी लाइन के साथ बीजी लाइन कनेक्शन का प्रावधान और एमजी लाइन नं. 1, 2 3 से ड्यूल गेज का रूपांतरण। **निविदा मूल्य:** ₹5,76,68,893.77; **धरोहर राशि:** ₹4,38,300.00। **ई-निविदाएं** 13-02-2025 को 15.00 बजे **बंद होंगी** और 14-02-2025 को 15.00 बजे **खुलेंगी**। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा कागजात के साथ संपूर्ण सूचना वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर 13-02-2025 को 15.00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी।

डीआरएम/कार्य, सिलचर

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

Name Change

I, Ayesha Javed wife of Javed Ali, residing at 11, Hem Ghosh Lane, Shibpur, Howrah-711102, do hereby solemnly affirm and declare that before marriage my name was Gouri Das daughter of Anil Das after marriage with Javed Ali my name is Ayesha Javed and Ayesha Javed and Gouri Das is one and same identical person via affidavit before the Notary Public at Howrah No.8340 dated 20th August 2022.

शांतनु ठाकुर ने तृणमूल की आलोचना के साथ अभिषेक की प्रशंसा की

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा सांसद व केंद्रीय जहाजरानी राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने एक सभा में तृणमूल कांग्रेस की आलोचना के साथ सत्तारूढ़ पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व मुख्यमंत्री ममता के सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी की प्रशंसा की। उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव से सांसद व मतुआ समुदाय के नेता ठाकुर ने कहा कि तृणमूल का जाना अब समय की बात है। वह अंदर से टूट चुकी है। बूढ़े घोड़ों को आराम करना चाहिए। जो लोग सरकार नहीं चला रहे हैं, उन्हें रखने का क्या मतलब है? तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव की तारीफ करते हुए उन्होंने आगे कहा कि अभिषेक बनर्जी नई पीढ़ी के लड़के हैं। बहुत ऊर्जावान के साथ कुशल भी हैं। बिना नाम लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर इशारा करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि बूढ़े घोड़ों को अब आराम करना चाहिए।

सेलाइन कांड : सीआईडी ने मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के दो वरिष्ठ डॉक्टरों से की पूछताछ

सीआईडी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि घटना के दिन वे ड्यूटी पर थे या नहीं

कोलकाता, समाज्ञा : सीआईडी ने सेलाइन मामले में मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के दो वरिष्ठ डॉक्टरों हिमाद्री नाइक और दिलीप पाल से शुक्रवार को कोलकाता स्थित भवानी भवन में पूछताछ की। सीआईडी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना के दिन वे ड्यूटी पर थे या नहीं। इन डॉक्टरों से घटना के संदर्भ में विभिन्न सवाल किए जा रहे हैं। आरोप है कि घटना के दिन दोनों डॉक्टर ड्यूटी पर थे, लेकिन वे नहीं आए। सीआईडी इस बात की जांच कर रही है कि उनकी अनुपस्थिति का कारण क्या था और क्या इसका घटना पर कोई प्रभाव पड़ा। बता दें कि सात जनवरी को मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में बच्चे को जन्म

देने के बाद पांच महिलाएं बीमार हो गई थीं। आरोप है कि वे एक्सपायर सेलाइन के इस्तेमाल के कारण बीमार हो गई थीं। इनमें एक की मौत भी हो गई थी। सीआईडी की टीम जांच का जिम्मा संभालने के लिए कई बार मेदिनीपुर मेडिकल सेंटर का दौरा कर चुकी है। सीआईडी अधिकारी घटना के दिन ड्यूटी पर मौजूद जूनियर डॉक्टरों से कई बार पूछताछ कर चुके हैं। उन्होंने न केवल जूनियर डॉक्टरों से बात की, बल्कि वरिष्ठ डॉक्टरों, नर्सों, अस्पताल अधीक्षकों, प्राचार्यों और विभागाध्यक्षों से भी बात की। जांच अधिकारियों ने सेलाइन के नमूने एकत्र किये।

सेलाइन कांड के विरोध में हिंसक प्रदर्शन के आरोप में मीनाक्षी सहित 16 पर मामला दर्ज

मेदिनीपुर/कोलकाता : मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में सलाइन कांड के बाद प्रसूति मृत्यु के मामले ने पूरे राज्य में हंगामा मचाया है। इस घटना के विरोध में सबसे पहले मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज के सामने वामपंथियों ने प्रदर्शन शुरू किया, लेकिन जल्द ही यह आंदोलन जिले के प्रशासनिक कार्यालय तक फैल गया। इस घटनाक्रम के बाद, वाम नेता मीनाक्षी मुखोपाध्याय और 15 अन्य सीपीएम कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस ने कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। सरकारी दफ्तर के सामने प्रदर्शन और पुलिस के साथ हुई धक्का-मुक्की के मामले में कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि उन्होंने सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डाली, अवैध रूप से जमावड़ा किया और सरकारी कर्मचारियों को गंभीर रूप से चोट पहुंचाई। एफआईआर दर्ज होने के बाद, सीपीएम नेता मीनाक्षी मुखोपाध्याय ने कहा, सरकार लोगों के जीवन से खेल रही है। हम न्याय की मांग को लेकर सड़क पर उतरे हैं। हमें मुकदमे से नहीं रोका जा सकता, बल्कि इससे और अधिक लोग हमारे आंदोलन में शामिल होंगे। हम इस अन्याय के खिलाफ पांच लाख लोगों को सड़कों पर लाएंगे। हालांकि इस मामले में पुलिस और प्रशासन की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. : ईएल-81-24, दिनांक 23.01.2025, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा ख्यातिप्राप्त निविदाकारों जिनके पास वैध विद्युत ठेकेदार का लाइसेंस है एवं निम्नलिखित कार्य को पूरा करने में वित्तीय रूप से सक्षम हैं, से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: निविदा सूचना सं. : ईएल-81-24, **कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** आसनसोल मंडल-आसनसोल मंडल के तहत स्टेशन, लोडिंग पॉइंट एवं यार्ड के एप्रोच रोड में एचएमटी (हाई मास्ट टावर) लाइट का प्रावधान। **निविदा मूल्य :** रु.2,03,45,087.88/-, **बयाना राशि :** रु. 2,51,700/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **कार्य के लिए समापन अवधि :** 09 माह। **बंद होने एवं खुलने की तिथि और समय :** दिनांक 17.02.2025 को 11.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है।

ASN-308/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: डब्ल्यू 7_631_2_ ईएनजीजी _एचक्यू _जीएफएल_1, दिनांक: 22.01.2025, मुख्य ट्रैक इंजीनियर, पूर्व रेलवे, मुख्यालय, 17, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं. **डब्ल्यू 7_631_2_ ईएनजीजी _एचक्यू _जीएफएल_1** के प्रतिपक्ष ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल के लिए न्यूनतम 18 केजी प्रति माह प्रति लुब्रिकेटर के साथ साइट की आवश्यकता के अनुसार रेल लुब्रिकेटर के लिए लुब्रिकेंट की आपूर्ति के साथ ट्रैक बेस्ड रेल लुब्रिकेटर (1 किमी कैटेगरी का इलेक्ट्रॉनिक टाइप) की आपूर्ति, स्थापना, आरंभ और परिचालन (5 वर्ष के लिए) (कुल 44 अदद)। **निविदा का प्रकार :** खुली। **बोली प्रणाली :** दो पैकेट प्रणाली। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 2,51,79,871.20, **बयाना राशि:** 2,75,900/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 07.02.2025, **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** 22.01.2025, 16.49 बजे। **प्रस्ताव की वैधता :** 90 दिन। **समापन अवधि :** 66 माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 21.02.2025, 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैन्यूअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं मैन्यूअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

MISC-317/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

मेट्रो रेलवे, कोलकाता

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से **प्रधान मुख्य अभियंता, मेट्रो रेलवे, कोलकाता** द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ई-निविदा के लिए **निविदा सूचना** आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** "मेट्रो रेलवे, कोलकाता के कालीघाट स्टेशन के दोनों प्लेटफॉर्मों के लिए क्लोरिनेशन प्लांट/पम्प की आपूर्ति, स्थापना एवं रखरखाव"। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 8,54,687.14; **बयाना राशि:** रु. 17,100/-; **समापन अवधि:** 02 (दो) महीने। **बंद होने की तारीख एवं समय:** 17.02.2025 को दोपहर 12.00 बजे। निविदा दस्तावेज तथा अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं। संशोधन/शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, सिर्फ वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना सं.: सिविल-2509-2025 (ओपन)

हमें अनुसरण करें : /metrorailwaykol /metrorailkolkata

वारदात के दो दिन पहले भी सेमिनार कक्ष में दाखिल हुआ था एक नशेड़ी

✒ आरजीकर अस्पताल की पीड़िता ने किया था विरोध

✒ जानकारी देने पर भी अस्पताल ने नहीं की घटना की जांच

कोलकाता, समाज्ञा : दरिंदगी की घटना के दो दिन पहले भी एक व्यक्ति नशे की हालत में आरजीकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के चेस्ट मेडिसीन विभाग के सेमिनार कक्ष में रात्रि में प्रवेश किया था, जहां पहले से पीड़िता आराम कर रही थी। पीड़िता ने इसका विरोध किया था। गुलाम आजम नामक एक हाउस स्टाफ (जूनियर डॉक्टर) ने इसकी जानकारी चेस्ट मेडिसिन विभाग के प्रमुख को दी थी, लेकिन इसकी कोई जांच नहीं हुई। सूत्रों के मुताबिक, गुलाम ने कोर्ट में गवाही के दौरान यह जानकारी दी थी। नशे की हालत में किसी बाहरी व्यक्ति को इस तरह से सेमिनार कक्ष घुसता देख पीड़िता ने ग्रुप-डी कर्मी से कहा कि इससे संक्रमण का खतरा है। व्यक्ति को जाने को कहो। लेकिन अस्पताल की ओर से इस घटना की जांच नहीं होने के कारण यह पता नहीं चल पाया कि वह व्यक्ति संजय राय था या कोई और। यह भी पता नहीं चल पाया कि किस उद्देश्य से वह अंदर दाखिल हुआ था?

❑ संजय के दावे को ईएफआर ने किया खारिज

संजय राय ने सुनवाई के दौरान दावा किया था कि उसके शरीर पर मौजूद चोट के निशान का दरिंदगी की घटना से कोई संबंध नहीं है। वह नौ अगस्त की वारदात से पहले पश्चिम मेदिनीपुर के खड़गपुर के सलुआ में ईस्टर्न फ्रंटियर राइफल्स (ईएफआर) कैंप गया था, जहां चट्टान पर चढ़ने का प्रशिक्षण लेते समय वह चोटिल हो गया था।

सीबीआई ने आरोपपत्र में कहा था कि दुष्कर्म के दौरान पीड़िता के विरोध के कारण संजय के शरीर के कई हिस्सों पर चोटें आई थीं। वहीं, सूत्रों का कहना है कि ईएफआर कैंप में संजय के प्रशिक्षण का कोई रिकॉर्ड नहीं है। क्योंकि वहां सिविक वॉलंटियर को प्रशिक्षित नहीं किया जाता। इस संबंध में सलुआ ईएफआर के डीआईजी स्वप्न सरकार ने कहा कि अगर अदालत कहेगी तो जांच की जाएगी।

जयनगर दुष्कर्म मामले के दोषी मुस्तकिन सरदार ने फांसी की सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में की अपील

कोलकाता, समाज्ञा : जयनगर में नाबालिका से दुष्कर्म और हत्या के दोषी ठहराए गए मुस्तकिन सरदार ने अपनी फांसी की सजा को रद्द कराने के लिए अब हाईकोर्ट का रुख किया है। जानकारी के अनुसार, इस मामले की सुनवाई जस्टिस देवांशु बसाक की डिवीजन बेंच में होगी, और सोमवार को इस मामले की सुनवाई की संभावना जताई जा रही है। मुस्तकिन के वकील ने बताया कि वह जल्दबाजी में किए गए निर्णय के खिलाफ हाईकोर्ट में आपत्ति जताएंगे। उनका कहना था कि मुस्तकिन के मामले में भी जैसे आरजी कर के फैसले में अस्पष्टता थी, ठीक वैसे ही इस मामले में भी धुंधला नजरिया दिखा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय अस्पताल के पोस्टमॉर्टम में कोई महिला विशेषज्ञ नहीं था और डीएनए रिपोर्ट में दुष्कर्म का कोई पुख्ता प्रमाण नहीं मिला। इसके अलावा, वकील ने यह भी सवाल उठाया कि जब मुस्तकीन नाबालिक था तो फिर क्यों उसका मुकदमा बारुईपुर कोर्ट में हुआ, यह मुद्दा भी वे हाईकोर्ट में उठाएंगे। उल्लेखनीय है कि दक्षिण 24 परगना के जयनगर में एक नाबालिका से दुष्कर्म और हत्या के मामले में मुस्तकीन सर्दार को दोषी ठहराया गया था। बारुईपुर कोर्ट के जज सुब्रत चट्टोपाध्याय ने 19 दिसंबर 2024 को मुस्तकीन को दोषी ठहराया और अगले दिन 20 दिसंबर को फांसी की सजा सुनाई थी। साथ ही, मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये मुआवजे का आदेश भी दिया गया था। अब इसी फैसले के खिलाफ मुस्तकीन ने हाईकोर्ट में अपील की है।

www.samagya.in

समाज्ञा

NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION

- MATRIMONIAL
- PROPERTY
- RECRUITMENT
- EDUCATION
- NAME CHANGE
- PUBLIC NOTICE
- OBITUARY
- REMEMBRANCE
- DISPLAY

TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT

samagyaadvt@gmail.com | samagya.in

81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

कोलकाता पुस्तक मेले में विहिप नहीं लगा सकेगा स्टॉल

सही से मामला दायर नहीं करने पर हाईकोर्ट ने आवेदन की खारिज

कोलकाता, समाज्ञा : विश्व हिंदू परिषद (विहिप) अंतरराष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में अपना स्टॉल नहीं लगा पाएगा। कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस मामले में पुस्तक मेले का आयोजन करने वाली संस्था पब्लिशर्स एंड बुकसेलर्स गिल्ड के फैसले को बरकरार रखा है। शुक्रवार को न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने विश्व हिन्दू परिषद का मामला खारिज कर दिया। उनका कहना है कि यह मामला हाईकोर्ट में सही तरीके से दायर नहीं किया गया। अदालत ने गिल्ड के खिलाफ मामले की स्वीकार्यता पर सवाल उठाया, क्योंकि यह एक निजी संगठन है। हाईकोर्ट ने इससे पहले गिल्ड के खिलाफ एसोसिएशन फॉर द प्रोटेक्शन आफ डेमोक्रेटिक राइट्स (एपीडीआर) द्वारा दायर अपील को भी खारिज कर दिया था। वे इस वर्ष पुस्तक मेले में स्टॉल भी नहीं लगा सकेंगे। विहिप ने 28 जनवरी से साल्टलेक में आयोजित हो रहे 48वें अंतरराष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में पुस्तक स्टॉल के लिए जगह उपलब्ध कराने के लिए गिल्ड से आवेदन किया था। अनुमति न मिलने पर उन्होंने हाईकोर्ट में मामला दायर किया। गिल्ड का बयान था कि संगठन ने उचित तरीके से आवेदन नहीं किया था। इसके अलावा, गिल्ड के वकील ने अदालत में दावा किया कि विहिप ने एक

'संवेदनशील' पुस्तक प्रकाशित की है। हालांकि, वे स्वयं कोई पुस्तक प्रकाशित नहीं करते हैं। यह पुस्तक विश्व हिन्दू वार्ता नामक प्रकाशन गृह द्वारा प्रकाशित की गई है। पुस्तक मेले में केवल वे लोग ही स्टॉल लगा सकते हैं जो पुस्तकें प्रकाशित या बेचते हैं। विहिप के वकील ने दलील दी कि विश्व हिंदू वार्ता उनका संगठन है। वे 2011 से पुस्तक मेले में स्टॉल लगा रहे हैं।

हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में गिल्ड की भूमिका की आलोचना की थी। अदालत ने यह सवाल भी उठाया कि संगठन को स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों नहीं दी जाएगी। उन्होंने गिल्ड के वकील के बयान पर टिप्पणी की। न्यायमूर्ति सिन्हा ने गिल्ड से पूछा कि उस संगठन को पिछले कुछ वर्षों से अनुमति दी जा रही है। अब यह क्यों नहीं दिया जाएगा? उन्होंने हमें पहले से क्यों नहीं बताया कि उन्होंने कौन सी संवेदनशील पुस्तक प्रकाशित की है? उन्होंने इतने लंबे समय से संवेदनशील पुस्तकें प्रकाशित नहीं की हैं, और अब वे अचानक संवेदनशील पुस्तकें प्रकाशित कर रहे हैं? गिल्ड के वकील ने कहा कि इस वर्ष से शुरू होने वाले पुस्तक मेले में कुछ नियम बदल गए हैं। न्यायाधीश ने जवाब दिया कि आपके पास कोई वैधानिक नियम नहीं है, नियम बदल गया है। आपने इतने सालों तक इसकी अनुमति क्यों दी? वे अपनी मर्जी से नियम बना रहे हैं। न्यायमूर्ति सिन्हा ने शुक्रवार को गिल्ड के फैसले को बरकरार रखा। विहिप का आवेदन अस्वीकार कर दिया गया।

घने कोहरे के कारण कोलकाता एयरपोर्ट पर 34 फ्लाइट प्रभावित, यात्रियों ने किया हंगामा

लगातार दूसरे दिन खराब दृश्यता की वजह से विमानों की आवाजाही हुई प्रभावित

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को दूसरे दिन भी घने कोहरे के कारण करीब 34 उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ है। हवाई अड्डा प्राधिकरण ने बताया कि खराब विजिबिलिटी के कारण कोलकाता से अन्य स्थानों के लिए जाने वाली 15 उड़ानों में देरी हुई। इसके अलावा, कोलकाता आने वाली आठ उड़ानों में देरी हुई, जबकि सात उड़ानों को कोलकाता के आसमान में चक्कर लगाने के बाद अन्य हवाई अड्डों पर मोड़ दिया गया। चार उड़ानें तो रनवे से वापस पार्किंग वे में लौट गईं क्योंकि वे उड़ान नहीं भर सकीं।

कोहरे के कारण रात 2:10 बजे हवाई अड्डे पर 'लो विजिबिलिटी प्रोसीजर' (एलवीपी) लागू किया गया, हवाई यातायात नियंत्रण तब एलवीपी लागू करता है जब दृश्यता 800 मीटर से कम हो जाती है या बादल 200 फीट से नीचे होते हैं। इस प्रक्रिया के तहत विमानों को 'फालो-मी' वाहनों के जरिए उनके स्टैंड तक पहुंचाया जाता है। कोलकाता एयरपोर्ट पर सुबह 4:02 बजे से 6:51 बजे और फिर 6:53 बजे से 8:16 बजे तक उड़ानों का आगमन प्रभावित रहा। इसी तरह, सुबह 4:09 बजे से 5:49 बजे और 6:48 बजे से 8:52 बजे तक उड़ानों का डिपार्चर भी बाधित हुआ। हवाई अड्डा निदेशक प्रबात रंजन बेउरिया ने बताया कि सुबह 8:17 बजे उड़ानों का संचालन सामान्य हो सका। फ्लाइट लेट होने पर यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया जिसके बाद एक निजी एयरलाइन ने अपनी उड़ान रद कर दी। यह लगातार दूसरा दिन था जब कोहरे के कारण उड़ानों का संचालन बाधित हुआ। गुरुवार को भी 72 उड़ानों पर असर पड़ा था।

हाईकोर्ट से सरकार को झटका, 26 साल बाद आईसीडीएस पर्यवेक्षक नियुक्ति प्रक्रिया का रास्ता साफ

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल सरकार को हाईकोर्ट से एक और झटका लगा है। 26 साल बाद, आईसीडीएस पर्यवेक्षक की नियुक्ति को लेकर कोर्ट के सिंगल बेंच के फैसले को डिवीजन बेंच ने बरकरार रखा है। इस फैसले के बाद, 26 साल से रुकी हुई इस नियुक्ति प्रक्रिया के फिर से शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। अदालत सूत्रों के मुताबिक, आईसीडीएस पर्यवेक्षक पद पर आखिरी बार नियुक्ति 1998 में हुई थी। इसके बाद, 2019 में फिर से 3458 पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हुई थी। 2015 में केंद्रीय सरकार ने एक दिशा-निर्देश जारी कर कहा था कि इन पदों में से 50 प्रतिशत पदों पर आंगनबाड़ी कर्मियों को पदोन्नति के आधार पर नियुक्त किया जाना चाहिए। लेकिन राज्य सरकार ने इन पदों में से केवल 422 पदों को आंगनबाड़ी कर्मियों के लिए रखा और बाकी 3036 पदों पर सीधे भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी। इस फैसले को लेकर आंगनबाड़ी कर्मियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने राज्य सरकार को केंद्र के नियमों के अनुसार नियुक्ति प्रक्रिया करने का आदेश दिया था। राज्य सरकार ने इस आदेश का पालन नहीं किया, जिसके बाद फिर से हाईकोर्ट में मामला दायर किया गया। डिवीजन बेंच ने शुक्रवार को सिंगल बेंच के फैसले को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार को नियुक्ति प्रक्रिया के लिए केंद्र के दिशा-निर्देशों का पालन करने का आदेश दिया।

हाईकोर्ट में सरकारी पैनल के वकील ने केस लड़ने से इनकार किया, जस्टिस बसु नाराज

हाईकोर्ट में एक नया विवाद तब पैदा हुआ जब सरकारी पैनल के एक वकील ने राज्य सरकार के पक्ष में केस लड़ने से इनकार कर दिया। वकील की इस नाखुशी पर न्यायमूर्ति विश्वजीत बसु ने अपनी नाराजगी जाहिर की और उसके बाद उस वकील को पैनल से हटा दिया गया। जानकारी के मुताबिक, सरकार के लिए केस लड़ने के लिए एक विशेष पैनल बनाया जाता है, जिसमें हाल ही में कुछ बदलाव किए गए थे। हालांकि, इस नए पैनल में कई वरिष्ठ वकील जगह बनाने में असफल रहे। इस बदलाव पर सवाल उठाते हुए जस्टिस बसु ने राज्य के कानून मंत्री को आदेश की प्रति भेजने का निर्देश दिया। जस्टिस बसु ने यह भी कहा कि सरकारी पैनल में क्या केवल तृणमूल कांग्रेस समर्थक वकील होंगे, इस पर वकील समुदाय में निरंतर सवाल उठते रहे हैं। सरकारी वकीलों की अनुपस्थिति पर न्यायमूर्ति बसु ने पहले भी नाराजगी जताई थी, लेकिन इस बार उन्होंने पैनल के संबंध में अपना असंतोष खुलकर व्यक्त किया। यह मामला एक व्यक्तिगत केस से जुड़ा था, जिसमें वकील ने आरोप लगाया था कि दिसंबर और जनवरी में सुनवाई के दौरान राज्य के वकील अदालत में उपस्थित नहीं थे, जिससे सुनवाई पूरी नहीं हो पाई। बाद में यह जानकारी सामने आई कि वकील सैहिदुर रहमान को इस मामले के लिए नियुक्त किया गया था, लेकिन उन्होंने इस केस में रुचि न होने की बात अदालत में खुद स्वीकार की।

दो दिवसीय जनोत्सव कार्यक्रम आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर कोलकाता सेवा संदेश द्वारा दो दिवसीय जनोत्सव कार्यक्रम स्थानीय तारा सुंदरी पार्क में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वार्ड 23 के निवासियों ने जहां बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वहीं गणमान्य अतिथियों ने आयोजकों को इस तरह के कार्यक्रम सतत जारी रखने और इसका दायरा बढ़ाने की सलाह दिया। कार्यक्रम के पहले दिन बच्चों के लिए चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 630 बच्चों ने हिस्सा लिया और स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीर बनाई। तत्पश्चात श्री सीताराम सत्संग समिति ने संगीतमय सामूहिक सुंदरकांड पाठ किया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दूसरे दिन मेगा स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वार्ड 23 के पार्षद विजय ओझा द्वारा इस दो दिवसीय जनोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पार्षद की धर्मपत्नी रेखा ओझा ने महत्वपूर्ण एवं सक्रिय भूमिका निभाई।

जायसवाल विद्या मंदिर हाई स्कूल फॉर गर्ल्स का वार्षिक खेल दिवस आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में जायसवाल विद्या मंदिर हाई स्कूल फॉर गर्ल्स के तरफ से वार्षिक खेल दिवस मनाया गया है। यह आयोजन ऋषिकेश पार्क में किया गया। 200 से ज्यादा बालिकाओं ने प्रतियोगिता में भाग लिया। इस मौके पर स्कूल के अध्यक्ष विकास जायसवाल और प्रधानाचार्या रुपा चक्रवर्ती तथा स्कूल के सभी शिक्षिका और कर्मचारी देवजानी चौल, मंजू पाण्डे, श्रद्धा हालदार, दीपक साहु, राकेश प्रसाद, यून्चित्रा रता सरकार, दीपान्विता हालदार से श्रेष्ठा सेन गुप्ता, जया प्रतिमा उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि बोरो 4 के चेयरमैन साधना बोस, सेशक राजेश जायसवाल, रीना जायसवाल, मेवा लाल साह, लालता प्रसाद जायसवाल, रोशन जायसवाल उपस्थित थे।

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने पेश किया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

कोलकाता, समाज्ञा : एलआईसी म्यूचुअल फंड 'एलआईसी एमएफ मल्टी एसेट एलोकेशन फंड' पेश कर रहा है। यह एक ओपन-एंडेड योजना है, जो इक्विटी, डेट और सोने में निवेश करेगी। इसका नया फंड ऑफर (एनएफओ) 24 जनवरी को खुलेगा और 07 फरवरी को बंद होगा। योजना का निवेश उद्देश्य इक्विटी और इक्विटी से संबंधित साधनों, डेट और मनी मार्केट के साधनों तथा सोने के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) की यूनिट में निवेश कर पूंजी में दीर्घकालिक वृद्धि करना है। योजना का बेंचमार्क निफ्टी 500 टीआरआई का 65 फीसदी, निफ्टी कंपोजिट डेट इंडेक्स का 25 फीसदी और घरेलू सोने की कीमत का 10 फीसदी होगा। इस योजना के फंड मैनेजर निखिल रुंगटा, सुमित भटनागर और प्रतीक श्रॉफ होंगे।

शिवपुर अंबिका हिन्दी हाई स्कूल द्वारा दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता शैलेन मन्ना स्टेडियम में आयेजित किया गया, जिसमे कक्षा पांचवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विभिन्न खेलों में करीब 400 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

विधायक देवाशीष कुमार से मनमोहन बागड़ी (डेको ड्रीम्स) को मिला गुरुकुल अवार्ड, पूर्व अध्यक्ष किशन पोद्दार, कैबिनेट सचिव रोशन ड्रोलिया रहे उपस्थित

दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025 की प्रथम बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2025 की प्रथम बैठक दपूरे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक सौमित्र मजूमदार और सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इसके अलावा, मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक और खड़गपुर कारखाना के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी भी वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे में राजभाषा से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने राजभाषा के प्रयोग और प्रसार के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन पर अमल किया जाएगा। उन्होंने मुख्यालय सहित सभी मंडलों और खड़गपुर कारखाने में हिंदी कार्यशालाओं के नियमित आयोजन के लिए सराहना की और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, चक्रधरपुर मंडल द्वारा अहिंदी भाषियों के लिए आयोजित हिंदी वाक् प्रतियोगिता को सराहते हुए इसे एक सराहनीय कार्य बताया गया। महाप्रबंधक ने मुख्यालय के सभी विभागों को अगली तिहामी तक 50% टिप्पणियां हिंदी में करने का निर्देश भी दिया। बैठक में विजय कुमार वर्मा, कार्यालय अधीक्षक (एचआरएम इस), आद्रा मंडल ने आईजीओटी विषय पर एक पावर पॉइंट प्रस्तुति भी दी।

हावड़ा डिवीजन में 26 जनवरी को दो ईएमयू लोकल पुनर्निर्धारित

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा डिवीजन पर ट्रैक और सिग्नल रखरखाव कार्य के कारण, 37749 बंडेल-कटवा लोकल अपने निर्धारित समय 12:15 के स्थान पर दोपहर 12:45 बजे बंडेल स्टेशन से रवाना होगी। दूसरी ट्रेन 53009 कटवा-अजीमगंज लोकल कटवा से अपने निर्धारित समय 12 बजे के स्थान पर देपहर 12:30 बजे खुलेगी।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2025 के पहले नौ महीने में मजबूत प्रदर्शन की रिपोर्ट दी

कोलकाता, समाज्ञा : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2025 के पहले नौ महीने में 803 करोड़ रुपये का कर पश्चात लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल के मुकाबले 18.3% अधिक है। इसी दौरान, कंपनी ने नए व्यवसाय का मूल्य (वीएनबी) 8.5% बढ़ाकर 1,575 करोड़ रुपये किया। कंपनी की कुल वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) में 27.2% की वृद्धि हुई है। स्विच मोबिलिटी के लिए, वित्त वर्ष 2025 के पहले नौ महीने में वार्षिकी व्यवसाय एपीई में 81.7% और खुदरा सुरक्षा व्यवसाय एपीई में 24.2% की मजबूत वृद्धि हुई। कंपनी ने बेची गई पॉलिसियों की संख्या में 14.4% की वृद्धि दर्ज की, जो निजी क्षेत्र की अन्य कंपनियों से बेहतर प्रदर्शन है। कंपनी के एमडी और सीईओ अनूप बागची ने कहा, हमने अपनी मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो और ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण के साथ उद्योग में अच्छा प्रदर्शन किया है, और हम आगे भी अपने ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार नए उत्पाद और समाधान पेश करेंगे।

स्काई फोर्स में वीर पहाड़िया के अभिनय के मुरीद हुए समीक्षक

कोलकाता, समाज्ञा : अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'स्काई फोर्स' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज हुई और यह वीर पहाड़िया की बतौर अभिनेता पहली फिल्म है। फिल्म में वीर पहाड़िया ने टी विजया उर्फ टोडी का किरदार निभाया है, जो स्काड्रन लीडर अज्जमदा बोप्पया देवय्या से प्रेरित है। देवय्या को 1965 के भारत-पाक युद्ध में उनकी वीरता और डॉगफाइट के लिए महावीर चक्र से नवाजा गया था। वीर पहाड़िया के अभिनय को विशेष सराहना मिल रही है, एक समीक्षक ने इसे 'विस्फोटक' करार दिया। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने उनकी शुरुआत को 'कहो ना प्यार है' के ऋतिक रोशन जैसी अभूतपूर्व शुरुआत कहा है। पहाड़िया के अभिनय ने उन्हें बॉलीवुड का नया स्टार बना दिया है। फिल्म में अक्षय कुमार, सारा अली खान और निम्रत कौर भी हैं। यह फिल्म भारतीय वायु सेना के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

एचएसबीसी इंडिया ने कोलकाता में अपनी डलहौजी स्कायर शाखा के 100 साल पूरे होने का मनाया जश्न

कोलकाता, समाज्ञा : एचएसबीसी इंडिया ने कोलकाता में अपनी प्रतिष्ठित डलहौजी स्कायर शाखा के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम ने न केवल शाखा की ऐतिहासिक विरासत को याद किया, बल्कि एचएसबीसी के भारत में 171 साल की उपस्थिति को भी दर्शाया, जो बैंक की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। डलहौजी स्कायर शाखा, जिसे 1868 में एजेंसी के रूप में खोला गया था और 1923 में वर्तमान इमारत में स्थानांतरित किया गया, एचएसबीसी के भारतीय परिचालन की नींव रही है। इस वर्ष फोर्ट, मुंबई में शाखा के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। शताब्दी समारोह में दीर्घकालिक ग्राहकों और कर्मचारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सीईओ हितेंद्र दवे ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद, कोलकाता की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी एक ऐतिहासिक यात्रा का आयोजन हुआ, और जूनियर मनी मास्टर कार्यक्रम के तहत छात्रों के साथ वित्तीय शिक्षा पर चर्चा की गई।

महाप्रबंधक ने दमदम और डानकुनी के बीच पुलों पर चल रहे काम की प्रगति की समीक्षा की

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने शुक्रवार को दमदम जंक्शन और डानकुनी के बीच पुलों पर चल रहे काम की प्रगति की व्यापक समीक्षा की। समीक्षा में इस सेक्शन में पुलों के चल रहे रिगार्डर पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो ट्रेन सुरक्षा और परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा उन्नयन है। महाप्रबंधक देउस्कर ने दमदम-डानकुनी खंड में बालीघाट और बाली हॉल्ट के बीच स्थित ब्रिज नंबर 15/सीसीआर पर काम की प्रगति का निरीक्षण किया, जहां काम पूरी गति से चल रहा है। एक बार काम पूरा होने पर, ट्रैक को गिट्टी ट्रैक में बदल दिया जाएगा, जिससे स्थिरता, गति और समग्र परिचालन दक्षता में काफी सुधार होगा। इस अपग्रेड से सुरक्षा भी बढ़ेगी, रखरखाव आसान होगा और दीर्घकालिक मरम्मत लागत भी कम होगी। इसके अतिरिक्त महाप्रबंधक ने इस खंड में ब्रिज संख्या 11/सी-सीआर, 10/सीसीआर और 19/सीसीआर पर री-गर्डरिंग कार्य की समीक्षा की। सियालदह मंडल रेल प्रबंधक मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, मुख्य अभियंता और प्रधान मुख्य सिग्नल और दूरसंचार अभियंता (पीसीएसटीई) के साथ महाप्रबंधक ने काम की प्रगति की बारीकी से निगरानी के बाद काम को समय से पूरा करने को लेकर टीम की सराहना की। री-गर्डरिंग और प्रगति कार्यों का निरीक्षण करने के अलावा महाप्रबंधक ने विवेकानंद सेतु पर रेलवे ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम और अन्य इंजीनियरिंग कार्यों की भी समीक्षा की। इसके अलावा, उन्होंने चल रहे ट्रैक रखरखाव कार्य का आकलन करने के लिए बरानगर स्टेशन का भी दौरा किया। मिलिंद देउस्कर ने इन आवश्यक कार्यों को निर्धारित समय के भीतर पूरा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कार्य के निष्पादन के दौरान कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जिससे 100 घंटे के ब्लॉक के दौरान ट्रेन सेवाओं पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित किया जा सके, जो 23 जनवरी से रात 12 बजे शुरू हुआ और 27 जनवरी को सुबह 4 बजे समाप्त होगा।

बी. आर. सिंह अस्पताल ने चलाया टीबी उन्मूलन अभियान

कोलकाता, समाज्ञा : 7 दिसंबर 2024 को शुरू किए गए टीबी उन्मूलन पर 100 दिवसीय गहन अभियान में 23 जनवरी को बी.आर. सिंह अस्पताल के ओपीडी ब्लॉक में एक जागरूकता कार्यक्रम सह निक्षय शिविर आयोजित किया गया था। टीबी के बारे में जागरुकता बढ़ाने और बलगम परीक्षणों के माध्यम से शीघ्र निदान को बढ़ावा देने के लिए राज्य टीबी सेल के सहयोग से यह पहल आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में बीआर सिंह अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुभाशीष दास, मुख्य विशेषज्ञ-आई/बी.आर.सिंह अस्पताल डॉ. शुभंकर होम उपस्थित थे। विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा लघु इंटरैक्टिव व्याख्यान आयोजित किए गए, जिनमें डॉ. अंगिरा दासगुप्ता (पल्मोनोलॉजिस्ट), डॉ. चैताली पात्रा (बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. सुभ्रा दत्ता (स्त्री रोग विशेषज्ञ), और डॉ. जॉयता बनर्जी (पैथोलॉजिस्ट) शामिल थे। चर्चा में टीबी की

संक्रामक प्रकृति, इसके संचरण के तरीके, नैदानिक विशेषताएं, प्रभावित अंग, उपचार प्रोटोकॉल और मल्टीड्रग-प्रतिरोधी टीबी जैसी चुनौतियों जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की प्रभारी डॉ. मंदिरा बनर्जी ने कार्यक्रम का निर्बाध संचालन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पूर्व टीबी रोगियों की भागीदारी थी, जिन्होंने दूसरों को प्रेरित करने और प्रेरित करने के लिए अपनी पुनर्प्राप्ति कहानियों को साझा किया। सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, इंटरैक्टिव सत्रों में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को पुरस्कार वितरित किए गए। यह कार्यक्रम टीबी मुक्त भारत के लिए पूर्वी रेलवे की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है और इस सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती से निपटने में सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालता है। उत्साहपूर्ण भागीदारी और टीबी के उन्मूलन की दिशा में काम करने की नई प्रतिज्ञा के साथ यह कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

यंग लीडर्स फोरम ने ईडन गार्डन्स में रोमांचक अनुभव किए साझा

कोलकाता, समाज्ञा : इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स की युवा शाखा, यंग लीडर्स फोरम (वाईएलएफ), के ज्वाइंट चेयरमैन सागर अग्रवाल और प्रतीक जालान के नेतृत्व में अपने सदस्यों और उनके परिवारों के लिए ईडन गार्डन्स में एक रोमांचक और अविस्मरणीय अनुभव का आयोजन किया। इस आयोजन में 200 से अधिक वाईएलएफ सदस्य और उनके परिवार शामिल हुए, जिन्होंने भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टी20 मैच का आनंद लिया। यह आयोजन क्रिकेट के प्रति जुनून और सामुदायिक भावना का आदान-प्रदान करने का बेहतरीन अवसर साबित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य भाईचारे को बढ़ावा देना और सदस्यों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करना था, जो सफल रहा। वाईएलएफ के सदस्यों ने कस्टम वाईएलएफ ध्वज लहराते हुए टीम इंडिया के लिए जोरदार समर्थन किया, जिससे स्टेडियम में एक उत्साहपूर्ण माहौल बन गया। सागर अग्रवाल ने कहा, हमने इस साल सदस्यों के लिए यादगार अनुभव प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है। वाईएलएफ को ईडन गार्डन्स लाना केवल क्रिकेट देखने के लिए नहीं था, बल्कि यह हमारे समुदाय के बंधन को और भी मजबूत करने के लिए था। वहीं, प्रतीक जालान ने कहा, हम ऐसे क्षणों को बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां सदस्य एक साथ आकर वाईएलएफ द्वारा समर्थित नेतृत्व और सहयोग की भावना का उत्सव मनाते हैं।

कोलकाता मेट्रो का नोआपाड़ा-जय हिंद बिमानबंदर स्ट्रेच पर पहला ट्रायल रन सफलतापूर्वक संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक मेट्रो सेवा के पहुंचने का सपना अब साकार होने वाला है। शुक्रवार को नोआपाड़ा से जय हिंद बिमानबंदर (7.04 किमी) के बीच येलो लाइन के दोनों अप और डाउन लाइनों पर पहली ट्रायल रन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह ऐतिहासिक यात्रा 76वें गणतंत्र दिवस से पहले एक बड़ी उपलब्धि साबित हुई। इस परीक्षण यात्रा का शुभारंभ नोआपाड़ा से 12:09 बजे हुआ। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और मेट्रो स्टाफ ने इस परीक्षण यात्रा में हिस्सा लिया। महाप्रबंधक पूरी यात्रा के दौरान मोटरमैन के कैब में उपस्थित रहे। यात्रा के दौरान रैक ने दमदम क्रेंटोनमेंट स्टेशन पर एक छोटा सा ठहराव लिया, जहां महाप्रबंधक ने इस स्टेशन का निरीक्षण किया। इसके अलावा, मेट्रो रैक 12:31 बजे जय हिंद बिमानबंदर स्टेशन पर पहुंचा, जहां मेट्रो अधिकारियों और कर्मचारियों ने जमकर उसका स्वागत किया। इस यात्रा के बाद, महाप्रबंधक ने जय हिंद बिमानबंदर स्टेशन का भी निरीक्षण किया और वहां विभिन्न यात्री सुविधाओं की प्रगति के बारे में जानकारी ली। नोआपाड़ा और जय हिंद बिमानबंदर के बीच येलो लाइन के स्ट्रेच में कुल 4 स्टेशन हैं, जिसमें नोआपाड़ा, दमदम क्रेंटोनमेंट, जेसोर रोड, जय हिंद बिमानबंदर शामिल है। जय हिंद बिमानबंदर एशिया का एक बड़ा भूमिगत मेट्रो स्टेशन बनेगा। इसके अलावा, यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन में 6 सीढ़ियां, 12 एस्केलेटर और 6 लिफ्ट होंगी।

सीमावर्ती समुदायों का सशक्तीकरण और विकास हमारी प्राथमिकता : बीएसएफ एडीजी

सीमावर्ती समुदायों को सशक्त बनाने के लिए सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर अंतर्गत 102वीं वाहिनी ने सीमावर्ती समुदायों के सशक्तीकरण और युवाओं के बीच खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। सीमावर्ती गोबर्धा हाई स्कूल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन बीएसएफ के पूर्वी कमान, कोलकाता के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने किया। कार्यक्रम में बीएसएफ एडीजी ने सीमावर्ती स्कूलों के बच्चों में खेल सामग्री (वालीबाल व फुटबाल) और

शैक्षणिक सामग्री (स्कूल बैग व स्टेशनरी) वितरित की। इस अवसर पर अपने संबोधन में बीएसएफ एडीजी ने कहा कि सीमावर्ती समुदायों का सशक्तीकरण और क्षेत्र के युवाओं का विकास हमारी प्राथमिकता है। इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल शारीरिक और मानसिक विकास को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों में राष्ट्रभक्ति और अनुशासन की भावना को भी मजबूत करते हैं। बीएसएफ का यह कदम सीमावर्ती क्षेत्रों के बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम में बीएसफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) मनिंदर प्रताप सिंह पवार, आइपीएस, बल के कोलकाता सेक्टर के डीआईजी तरनी कुमार टीयू, दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के डीआईजी व प्रवक्ता एनके पांडे, 102वीं वाहिनी के कमांडेंट रमेश कुमार सहित आसपास के स्कूलों के शिक्षकों, गणमान्य नागरिकों और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं व अभिभावक उपस्थित रहे। सीमावर्ती एफपी स्कूल गोबर्धा, डोबीला व कैजुरी के छात्रों की कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी देखी गई। बीएसएफ द्वारा जारी बयान में कहा गया कि इस पहल का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों के बच्चों में शिक्षा और खेलों के प्रति रुचि जागृत करना और एक स्वस्थ जीवनशैली व खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। बीएसएफ के इस पहल की सीमावर्ती स्कूली छात्रों, अभिभावकों व ग्रामीणों ने काफी सराहना की। इस मौके पर सीमावर्ती छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर 48 घंटे में कार्रवाई, राज्य के सभी वन क्षेत्रों में प्रवेश शुल्क समाप्त

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश के 48 घंटे के भीतर राज्य के सभी वन क्षेत्रों में प्रवेश शुल्क समाप्त कर दिया गया है। इस संबंध में, वन विभाग के डीएफओ द्वारा अधिसूचना जारी की गई है। प्रवेश शुल्क समाप्त होने की खबर से पर्यटकों में खुशी का माहौल है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को अलीपुरद्वार में आयोजित प्रशासनिक बैठक में मुख्यमंत्री ने वन विभाग को सख्त निर्देश दिया था कि राज्य के जंगलों में प्रवेश के लिए जनता से शुल्क नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जंगल आम जनता का अधिकार है। जंगलों में घूमने के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क लेना अनुचित है। उनके आदेश के बाद, तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रवेश शुल्क समाप्त करने की अधिसूचना जारी की गई।

नवान्न के पास के इलाके में बिल्डिंग के झुकने से मचा हंगामा, निगम ने शुरू की जांच

हावड़ा, समाज्ञा : राज्य सरकार के प्रमुख प्रशासनिक भवन नवान्न से महज डेढ़ किमी की दूरी पर स्थित एक पांच मंजिला बिल्डिंग के भी झुकने की खबर है। जिससे हावड़ा नगर निगम में हलचल मच गई है। यह घटना शरत चटर्जी रोड पर हुई, जिसके बाद नगर निगम के प्रशासक मंडल के चेयरमैन सुजय चक्रवर्ती ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बिल्डिंग विभाग के इंजीनियरों को मौके पर भेजा। इस दौरान चटर्जी हाट थाना पुलिस भी मौके पर मौजूद रही। इंजीनियरों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बताया कि यह बिल्डिंग जी+2 मंजिला स्वीकृत थी, जबकि इसके ऊपर की दो मंजिलें अवैध रूप से बनाई गई थी। सुजय चक्रवर्ती ने जानकारी दी कि यह बिल्डिंग 2017-18 में बनी थी और एक बिल्डिंग दूसरी पर झुकी हुई है, जिससे वहां रह रहे लोग संकट में हैं। चेयरमैन ने बताया कि चूंकि इस बिल्डिंग में लोग रह रहे हैं, इसलिए इस मामले में पूरी सावधानी बरती जाएगी और आवश्यक कानूनी कदम उठाए जाएंगे। इसी तरह, 45 नंबर वार्ड के बी गार्डन इलाके में भी एक और झुकी हुई बिल्डिंग की जानकारी मिली है। नगर निगम ने वहां भी इंजीनियरों को भेजकर स्थिति का आकलन करने और रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया है।

विवादों में घिरे विधायक नारायण गोस्वामी को तृणमूल ने जारी किया शोकॉज नोटिस

कोलकाता, समाज्ञा : आशोकनगर के विधायक नारायण गोस्वामी को लगातार विवादित बयान देने के कारण अब तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें शोकोज नोटिस जारी किया है। विधानसभा के परिषद मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने शुक्रवार को नवान्न में बुलाकर विधायक को शोकोज लेटर सौंपा। हालांकि, इस नोटिस में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि विधायक को जवाब देने के लिए कितने दिनों का समय मिलेगा। सूत्रों के मुताबिक, विधायक ने अपने विवादित बयान के लिए माफी मांगते हुए कहा कि यह सब उन्होंने भावुकता में आकर किया था। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि

वे कई बार अभद्र टिप्पणियां कर चुके हैं। पिछले दिसंबर में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद आशोकनगर के विधायक नारायण गोस्वामी को चेतावनी दी थी कि वे अन्य विधानसभा क्षेत्रों में हस्तक्षेप न करें। बावजूद इसके, गोस्वामी लगातार विवादित बयान देते रहे। हाल ही में, एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान विधायक को मंच पर नशे में धुत दिखाया गया था, जहां उन्होंने युवा महिलाओं के बारे में अनुचित टिप्पणी की। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और इस पर व्यापक बहस शुरू हो गई। इस विषय पर तृणमूल कांग्रेस के राज्य उपाध्यक्ष जयप्रकाश मजूमदार ने एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की, जिसमें उन्होंने विधायक के व्यवहार को 'अशोभनीय' बताया और यह भी साफ किया कि पार्टी इस प्रकार के व्यवहार को कतई समर्थन नहीं देती।

उत्तर 24 परगना में वृद्धा का गला कटा शव बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना के जेटिया थाना इलाके में एक घर से एक वृद्ध महिला का गला कटा शव बरामद किया गया। घटना के बाद आसपास के इलाके में काफी हंगामा मचा हुआ है। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान फुलजान बीबी (80) के रूप में की गई है। वह बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत कपाचकला पंचायत के जेटिया थाना अंतर्गत पल्लादह शिमुलतला मथुराबिल इलाके की निवासी है। उनकी बेटी की शादी हो गई है। पड़ोसी सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को भी वृद्धा की बेटी उसके पास आई थी। उसने काफी देर तक अपने मां से बात की। फिर, दोपहर को वह अपने ससुराल लौट गयी। इसके बाद, रात को भी दोनों ने फोन पर भी बात की। लेकिन, शुक्रवार की दोपहर बीतने के बाद भी वृद्धा घर से बाहर नहीं निकली। इस पर, पड़ोसियों को संदेह हुआ। कुछ ही देर बाद उन्होंने वृद्धा का घर से गल कटा शव बरामद किया। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। पुलिस ने वृद्ध महिला का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर यह हत्या का मामला माना जा रहा है। लेकिन अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं है। पुलिस को उम्मीद है कि रहस्य जल्द ही सुलझ जाएगा। पड़ोसियों का कहना है कि वृद्धा का किसी से कोई झगड़ा नहीं था। नतीजतन, पुलिस इस बात को लेकर असमंजस में है कि इस घटना के पीछे कौन है और इसका मकसद क्या है।

न्यूटाउन में सड़क दुर्घटना में युवती की मौत व दो घायल

कोलकाता, समाज्ञा : न्यूटाउन में एक सड़क दुर्घटना में एक युवती की मौत हो गई। जबिक, दो अन्य घटना में घायल हो गये। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को न्यूटाउन शापूरजी ब्रिज के पास घटी। मृतक युवती की पहचान मैकनाली दास के रूप में की गई है। वह मूल रूप से नदिया की निवासी थी और शापूरजी रेजिडेंस में रहती थी। क्या दुर्घटना का कारण घना कोहरा था या फिर तेज गति? पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक महिला सहित कुल तीन लोग बाइक पर सवार होकर शापूरजी ब्रिज से नीचे शापूरजी निवास की ओर जा रहे थे। ब्रिज से उतरकर थोड़ा आगे बढ़ने पर बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे तीनों गिर गए। बाइक की पिछली सीट पर बैठी महिला के सिर में गहरी चोट आई, जबकि बाइक सवार समेत अन्य दो लोग घायल हो गए। चालक को मामूली चोटें आईं। सूचना मिलने पर टेक्नो सिटी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। जब घायलों को बचाया गया और स्थानीय अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने महिला बाइक सवार को मृत घोषित कर दिया। टेक्नो सिटी पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना का कारण जानने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि दुर्घटना का कारण तेज गति से वाहन चलाना था या कोहरा।

बेलघरिया एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटना में तीन घायल

बेलघरिया एक्सप्रेसवे पर एक लॉरी की टक्कर से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार की सुबह एक ऐप कैब बेलघरिया एक्सप्रेसवे से होते हुए हवाई अड्डे की ओर जा रही थी। अचानक रेत से भरे एक ट्रक ने पीछे से कैब को टक्कर मार दी। लॉरी इतनी तेज चल रही थी कि कैब पलट गई। कार में सवार दो यात्री और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को अस्पताल ले जाया गया। ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

आस्था का राजनीतिकरण करती है भाजपा : गिरधारी साह

हुगली, समाज्ञा : रिसड़ा शहर तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज साव के नेतृत्व में पालिका के 8 नंबर वार्ड में स्वेच्छा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह रक्तदान शिविर भूतपूर्व रिसड़ा नगर पालिका के कमिश्नर रंजीत साव की स्मृति में हुआ। रक्तदान शिविर में नगर पालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा, श्रीरामपुर नगर पालिका के चेयरमैन गिरधारी शाह, पार्षद अभिजीत दास समेत अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे। चेयरमैन गिरधारी साहा ने भाजपा पर जमकर प्रहार किया कहा कि रक्त की कोई फैक्ट्री नहीं यह मानव शरीर से निर्मित होता है। इसमें जात-पात भेदभाव कुछ नहीं होता। मैं गर्व से कहता हूं कि मैं हिंदू हूं लेकिन हमारे देवी देवता पूजनीय है उनकी हम पूजा करते हैं। वह कोई प्रदर्शन का सामान नहीं। जिसका राजनीतिकरण किया जाए।

भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो बंटवारे की राजनीति करती है और धर्म की आड़ में राजनीति करती है। धर्म की आड़ में एक समुदाय के लोगों को दूसरे समुदाय से बांटने का काम करती है।

इस दिन, विभिन्न धर्म समुदाय के विभिन्न वर्ग के 60 महिला पुरुष युवाओं ने रक्तदान किया। रक्त दातओं के स्वास्थ्य की जांच के बाद कोलकाता मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने रक्तदातओं का रक्त संग्रह किया। इस शिविर में विशेष अतिथि के तौर पर पहुंचे श्रीरामपुर नगर पालिका के चेयरमैन गिरधारी साहा ने रक्तदाताओं को उपहार भेंट किया एवं उनका उत्साहवर्धन किया। रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी सौंपा। मनोज साव ने कहा कि वह पिछले 20 वर्षों से लगातार रक्तदान शिविर का आयोजन करते आ रहे हैं। उनके पिता रंजीत साव के दिखाए मार्ग का अनुसरण करके ममता बनर्जी के निर्देशानुसार राज्य को रक्त संकट से उबारने के लिए रक्त दान शिविर का आयोजन करते आ रहे हैं। ताकि मानव के प्राण संकट के समय बचाए जा सके। ब्लड बैंक में रक्त की कमी को दूर करने और संक्रामक बीमारियों से ग्रसित अस्पताल में रोगियों को रक्त देकर प्राण बचाने के उद्देश्य से रक्त दान शिविर का आयोजन करते आ रहे हैं। मानव जीवन बहुमूल्य है इसका कोई मोल नहीं। रक्तदान करके मानव जीवन को बचाया जा सकता है।

कैनिंग में मोबाइल फोन को लेकर हुए झगड़े में पत्नी की हत्या का आरोप, पति गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : मोबाइल फोन को लेकर हुए झगड़े में पति पर अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने का आरोप लगाया गया। पुलिस ने आरोपी पति आलोक नस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका की पहचान अनिमा नस्कर (21) के रूप में की गई है। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना कैनिंग थाना अंतर्गत निकारीघाटा पंचायत के कोड़ाकाथी गांव में घटी। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। बताया गया है कि शुक्रवार की सुबह पति और पत्नी के बीत मोबाइल फोन को लेकर बहस हो गई। इसके बाद, गृहिणी की मृत्यु की खबर उसके पिता के घर पहुंची। मृतका के पिता के परिवार ने आरोप लगाया

कि उसके पति ने उनकी बेटी की हत्या की है। शिकायत पर पति को गिरफ्तार कर लिया गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कोड़ाकाथी निवासी आलोक नस्कर ने डेढ़ साल पहले दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप की अनिमा से शादी की थी। मृतका के पिता के परिवार ने आरोप लगाया कि ससुराल वाले दहेज में अतिरिक्त पैसे की मांग कर अनिमा को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। इस दिन, मोबाइल फोन को लेकर हुए विवाद के बाद उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया गया। खबर सुनकर गृहिणी के पिता का परिवार बेटी के ससुराल पहुंचे। उन्होंने अनिमा को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हांखाली में अवैध हथियार समेत कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के हांखाली थाने की पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध हथियार समेत कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। अभियुक्त का नाम नीलाद्रि सरकार उर्फ पिकलू (31) है। मिली जानकारी के अनुसार, नदिया थाने की पुलिस से गुप्त सूत्र से सूचना मिलने के बाद गुरुवार की रात हांखाली थाने की पुलिस ने मिलन नगर गांव के पास छापेमारी की। पुलिस ने छापेमारी में नीलाद्रि सरकार उर्फ पिकलू नामक युवक को बंदूक के साथ गिरफ्तार किया। उसके पास से एक देशी वन शॉटर बंदूक और एक धातु की वस्तु बरामद की। और फिर, जब युवक से पूछताछ की गई तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया क्योंकि वह इस बारे में कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका कि उसने आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद कहां से प्राप्त किया था।

हावड़ा सिटी पुलिस ने 46 खोए हुए मोबाइल फोन किए बरामद

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा सिटी पुलिस के हावड़ा थाना ने अपनी फिरे पावा नामक पहल के तहत 46 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए हैं। यह पहल लंबे समय से चल रही है, जिसका उद्देश्य खोए हुए मोबाइल फोन को ढूंढ़कर उन्हें उनके मालिकों तक वापस पहुंचाना है। हावड़ा सिटी पुलिस के गुप्त विभाग की मदद से हावड़ा थाना द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में चोरी या खोए हुए विभिन्न मोबाइल फोन को बरामद किया गया। इस कार्यक्रम में एडिसीपी (सेंट्रल) और एसीपी (सेंट्रल डिवीजन-1) के साथ हावड़ा थाना के प्रभारी अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह पहल हावड़ा सिटी पुलिस द्वारा खोई हुई वस्तुओं को सही समय पर वापस करने का एक सराहनीय प्रयास है, जिससे पुलिस विभाग की सेवाओं में विश्वास और जनसंपर्क को और भी मजबूती मिलती है।

बासंती में आंगनवाड़ी का छत ढहने से चार बच्चे से समेत छह घायल

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के बासंती ब्लॉक के भरतगढ़ पंचायत के चार नंबर गरानबोस गांव में स्थित एक आंगनवाड़ी बाल केंद्र में छत ढहने से चार बच्चे से समेत छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना में आंगनवाड़ी बाल केंद्र की रसोइया सुधा सरदार, गृहिणी सारथी सरदार, चार बच्चे स्वर्णदीप सरदार (8 माह), तनिसा मोल्ला (4 वर्ष), सुल्ताना मोल्ला (3 वर्ष), और खदीजा मिस्त्री (4 वर्ष) घायल हुए। स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया और इलाज के लिए बासंती ब्लॉक अस्पताल ले गये। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, कथित तौर पर, प्राकृतिक आपदा आम्फान के बाद उक्त गांव में स्थित आंगनवाड़ी बाल केंद्र संख्या 163 की स्थिति जर्जर हो चुका है। तब से

यह जीर्ण-शीर्ण अवस्था में चल रहा था। ग्रामीणों ने यह भी शिकायत की कि आंगनवाड़ी केंद्र में खाना पकाने के लिए कोई उपकरण नहीं हैं। खाना पकाने का उपकरण बच्चों का खाना बेचकर खरीदा जाता है। केंद्र के अंदर सांपों और छिपकलियों का भी आतंक है। यहां तक कि शराब पार्टी भी होती है। हर जगह शराब की कई बोतलें पड़ी हैं। यह केंद्र पूरी तरह असुरक्षित तरीके से संचालित हो रहा था। इस केंद्र पर न तो पानी का नल है और न ही बिजली। यहां तो शौचालय भी नहीं है।

चलती बस से 20 लाख के गहने की चोरी कर भागी महिला हावड़ा से गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में चलती बस से एक यात्री के बैग से करीब 20 लाख रुपये मूल्य के सोने के गहने की चोरी कर फरार होने वाली एक शातिर महिला को कोलकाता पुलिस के डिटेक्टिव डिपार्टमेंट की टीम ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला का नाम भारती बरबेरिया (30) है। उसके कब्जे से पुलिस ने सारे गहने बरामद कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हावड़ा कमिश्नरेट अंतर्गत निश्चिंदा थाना इलाके से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तार महिला गुजराती गैंग की सदस्य बताई जा रही है। पुलिस सूत्र बताते हैं कि गत चार जनवरी को कोलकाता के मानिकतला थाना क्षेत्र स्थित हुडको क्रासिंग पर 45 नंबर रूट की एक बस से एक ज्वेलरी कारीगर शोरूम में तैयार गहने लेकर उनकी डिलिवरी करने जा रहा था। बस से उतरने पर उसने देखा कि बैग के साइड पैकेट में मौजूद गहने गायब हैं। गायब गहनों का वजन 279.700 ग्राम था। तुरंत उसने मानिकतला थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। उसने अपनी शिकायत में बताया कि वह ये गहने हुडको क्रासिंग के पास व गरियाहाट स्थित दो ज्वेलरी शोरूम में सप्लाई करने जा रहा था। शिकायत के बाद कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार के वाच सेक्शन की टीम ने मामले की जांच शुरू की। काफी मशक्कत के बाद पता चला कि गुजराती गैंग की कुछ महिलाएं हुडको क्रासिंग के आसपास देखी गई हैं। इसके बाद, गुप्त सूचना पर हावड़ा के निश्चिंदा इलाके से महिला को गिरफ्तार किया गया।

बालीगंज में 35 लाख की धोखाधड़ी में तीन आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण पूर्व डिवीजन के बालीगंज थाना के एक मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने एक व्यक्ति को सस्ते में कच्चा सोना खरीदने का लालच देकर धोखा दिया और बाद में कस्टम अधिकारी के रूप में पहचान बताकर फर्जी छापेमारी की। इस धोखाधड़ी के दौरान आरोपियों ने पीड़ित से 35 लाख रुपये लूटे थे। पुलिस ने अब तक 23,47,500 रुपये की बरामदगी कर ली है। इस अपराध में इस्तेमाल की गई गाड़ी भी जब्त कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मालदह में बीमार युवती से दुष्कर्म के आरोप में सिविक वॉलंटियर गिरफ्तार

मालदह : जिले के मानिकचक पुलिस स्टेशन के कर्मियों ने शुक्रवार को उसी पुलिस स्टेशन से जुड़े एक सिविक वॉलंटियर को एक महिला से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया है, जो काफी समय से बीमार थी। पीड़िता के माता-पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, गुरुवार की शाम को जब महिला की हालत अचानक गंभीर हो गई, तो उसके परिवार के सदस्यों ने उसी इलाके में रहने वाले आरोपी सिविक वॉलंटियर से मदद मांगी। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने खुद को आध्यात्मिक उपचार का विशेषज्ञ बताते हुए पीड़िता की मां से पास की नदी से पानी लाने को कहा। जब पीड़िता की मां पानी लेने के लिए घर से बाहर निकली, तो आरोपी ने घर खाली पाकर पीड़िता के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पीड़िता के माता-पिता ने आरोप लगाया कि यौन उत्पीड़न के बाद पीड़िता बेहोश हो गई। इस बीच, आरोपी सिविक वॉलंटियर भी भाग निकला। गुरुवार की देर रात पीड़िता को होश आया और उसने अपने परिवार के सदस्यों को पूरी आपबीती सुनाई। इसके बाद, परिवार के सदस्यों ने स्थानीय मानिकचक पुलिस स्टेशन को पूरी घटना की जानकारी दी, जिसके बाद उसी दोपहर आरोपी सिविक वॉलंटियर को गिरफ्तार कर लिया गया।

मेमारी में 45 लाख रुपये के गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

पूर्व बर्दवान : जिले में फिर से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। पता चला है कि गत गुरुवार की देर रात मेमारी थाना इलाके में अभियान चलाकर करीब 31 किलो गांजा बरामद किया गया। बताया गया कि कार में बड़ी मात्रा में गांजा की तस्करी की जा रही थी। साथ ही, दो लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के नाम मुर्शिदाबाद निवासी कलाम शेख और मध्य कोलकाता निवासी दीपायन मजूमदार है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले गत बुधवार की देर रात आउशग्राम में तस्करी करते हुए 81 किलो गांजा जब्त किया गया था। पुलिस को संदेह है कि जिले के विभिन्न स्थानों से गांजा की तस्करी का प्रयास किया जा रहा है। इसके पीछे एक गिरोह काम कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, गत गुरुवार की रात

गोपनीय स्रोत से मेमारी पुलिस स्टेशन को गांजा तस्करी की सूचना मिली। इसके बाद, रायबाड़ी चौराहा इलाके में नाका चेंकिंग शुरू हुई। देर रात एक चार पहिया वाहन देखकर पुलिस को संदेह हुआ। कार को तुरंत रोका गया। कार में बैठे दो लोगों से प्रारंभिक पूछताछ शुरू हुई। पुलिस पूछताछ में उनके बयानों में कई विसंगतियां सामने आईं। इसके बाद, जब कार की तलाशी ली गई तो उसमें से कई पैकेट बरामद हुए। उस पैकेट में बड़ी मात्रा में गांजा की तस्करी की जा रही थी। बरामद की गई गांजा का बाजार मूल्य करीब 45 लाख रुपये है। संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनसे पूछताछ शुरू कर दी गई। गिरफ्तार लोगों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया गया।

मालदह में वॉलीबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन पर दनादन हवाई फायरिंग, हथियार जब्त

मालदह : मालदह जिले में एक बार फिर से फायरिंग की घटना ने सनसनी फैल गई है। मानिकचक के नूरपुर इलाके में स्थित 'टिपटॉप क्लब' द्वारा आयोजित वॉलीबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन के दौरान हवा में फायरिंग की गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। घटना में शामिल चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। 23 जनवरी को मानिकचक के नूरपुर उच्च विद्यालय प्रांगण में टिपटॉप क्लब ने वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया था। आरोप है कि टूर्नामेंट का उद्घाटन हवा में गोलियां चलाकर किया गया। वीडियो

में देखा गया कि कुछ युवक बंदूकें लेकर खड़े थे और उन्होंने चार राउंड फायरिंग की। वहां मौजूद दर्शकों ने इस फायरिंग पर उत्साह के साथ तालियां बजाईं। मालदह के पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार यादव ने शुक्रवार को बताया कि फायरिंग में इस्तेमाल की गई चार बंदूकें जब्त कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि इन बंदूकों के लाइसेंस हैं, लेकिन इस तरह सार्वजनिक स्थल पर गोली चलाना कानून का उल्लंघन है। जिन चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनके नाम हैं -मनसूर अहमद खान, मोहम्मद अमीनुर रहमान खान, अलकामा खान चौधरी और मोहम्मद बख्तावर खान।

ग्वालपोखर में पुलिस पर फायरिंग का मामला, हत्या के आरोपित से पूछताछ में मिला हथियार

उत्तर दिनाजपुर : जिले के ग्वालपोखर में पुलिस पर फायरिंग के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने करणदिघी थाने के महेशपुर ब्रिज के पास एक तालाब से रिवॉल्वर और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। जांच में यह पता चला है कि इस हथियार का इस्तेमाल पुलिस पर हमला करने में किया गया था। जिला पुलिस की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में इस बारे में जानकारी दी गई है। उल्लेखनीय है कि ग्वालपोखर में हत्या के आरोपित सज्जाक आलम को अदालत से जेल ले जाते समय दो पुलिस कर्मियों पर फायरिंग कर वह फरार हो गया था। बाद में, पुलिस मुठभेड़ में उसकी मौत हो गई। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सज्जाक को अदालत परिसर में ही एक हथियार मिला था, जिसका उसने पुलिसकर्मियों पर हमला करने के लिए इस्तेमाल किया।

न्यूज इन ब्रीफ

बारात में तमंचे से अचानक गोली चलने से युवक की मौत, छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

कौशांबी : उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह में एक युवक के तमंचा लोड करने के दौरान उससे अचानक गोली चल गई, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मामले में दो नामजद समेत छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि लालापुर गांव निवासी अमर सिंह यादव की बेटी की बृहस्पतिवार रात बारात आई थी, जिसमें प्रयागराज के कुछ युवक शामिल थे। उन्होंने बताया कि इनमें से एक युवक तमंचा लोड कर रहा था, तभी उससे अचानक गोली चल गई और यह बगल में खड़े उसके साथी सुनील (22) को लग गई।

बिहार में सड़क किनारे खड़ी ट्रक में आग लगी, दो लोग जिंदा जले

आरा : बिहार के भोजपुर जिले के कोइलवर थाना क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में शुक्रवार सुबह आग लगने से वाहन में सवार चालक और उसका सहायक जिंदा जल गए। भोजपुर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राज के अनुसार, ट्रक चालक और उसके सहायक ने अपना 18 पहिया वाहन सड़क किनारे खड़ा किया था और तभी उन्हें झपकी लग गई। उन्होंने बताया कि इस दौरान ट्रक में कथित तौर पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई और दोनों जिंदा जल गए। एसपी के मुताबिक, मृतकों की पहचान चालक भीम सिंह (56) और सहायक विकास कुमार (20) के रूप में हुई है, जो स्थानीय निवासी थे। उन्होंने बताया कि दोनों बृहस्पतिवार देर रात पश्चिम चंपारण जिले से लौटे थे और अपने ट्रक के भीतर ही सो गए थे। एसपी के अनुसार, भीम और विकास ने ट्रक के दरवाजे अंदर से बंद कर दिए थे और इस दौरान वाहन में संभवत: शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। एसपी ने बताया कि दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना की जांच के लिए फोरेंसिक टीम मौके पर है।

मथुरा में सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी कार, दो की मौत

मथुरा : उत्तर प्रदेश के मथुरा में दिल्ली-आगरा राजमार्ग पर अकबरपुर से मथुरा आ रही एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। पुलिस ने बताया कि हादसे में कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जैंत थाना प्रभारी अश्विनी कुमार ने बताया कि चौमुहां कस्बे के पास यह हादसा बृहस्पतिवार रात उस समय हुआ, जब एक तेज रफ्तार कार दिल्ली-आगरा राजमार्ग पर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। उन्होंने बताया कि कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि उसका अगला हिस्सा पूरी तरह से ट्रक में जा फंसा। कुमार के अनुसार, हादसे में कार चालक और उसके साथ बैठे युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान अकबरपुर निवासी गिरधर (25) और उसके दोस्त देवेंद्र सिंह (28), जबकि घायल की पहचान रामकिशन (34) के रूप में हुई है। कुमार के मुताबिक, मृतक के भाई ने जैंत थाने में ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद ट्रक चालक मौके पर वाहन छोड़ कर फरार हो गया।

गोरखपुर में खेत में दो बच्चों के शव मिले

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के सहजनवा थाना क्षेत्र के भक्सा गांव में सरसों के एक खेत में शुक्रवार दोपहर दो लड़कों के शव बरामद हुए। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान प्रिंस (12) और अभिषेक (14) के रूप में हुई है, जो रिश्ते में ममेरे भाई थे और बृहस्पतिवार शाम से लापता थे। पुलिस के मुताबिक, प्रिंस और अभिषेक को आखिरी बार बृहस्पतिवार शाम पांच बजे के आसपास गांव में खेलते हुए देखा गया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब दोनों देर शाम तक घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। अधिकारी के अनुसार, प्रिंस और अभिषेक के शव शुक्रवार सुबह भक्सा गांव में सरसों के एक खेत में नग्न अवस्था में मिले। उन्होंने बताया कि दोनों लड़कों के हाथ-पैर बंधे हुए थे, गर्दन पर रेते जाने के निशान थे और मुंह में कपड़ा ठूसा हुआ था।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन 10 करोड़ श्रद्धालुओं के अमृत स्नान करने की उम्मीद

महाकुंभ नगर, (उप्र) : उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को कहा कि महाकुंभ में 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान के दौरान प्रयागराज में 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के पवित्र संगम में डुबकी लगाने का अनुमान है। उसने कहा कि इस सिलसिले में भीड़ और यातायात के कुशल प्रबंधन के लिए व्यापक उपाय किए जा रहे हैं। कुंभ में स्नान सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान है। वैसे तो मकर संक्रांति से शुरू होकर सभी दिन संगम में डुबकी लगाना पवित्र माना जाता है। फिर भी कुछ विशेष शुभ स्नान तिथियां हैं, जिन्हें 'अमृत स्नान' (जिसे पहले शाही स्नान कहा जाता था) के रूप में

जाना जाता है। उनतीस जनवरी को मौनी अमावस्या महाकुंभ में तीसरी ऐसी शुभ तिथि होगी। पहले दो दिन 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) और 14 जनवरी (मकर संक्रांति) थे, जबकि अगले महीने तीन और दिन होंगे - तीन फरवरी (बसंत पंचमी), 12 फरवरी (माघी पूर्णिमा) और 26 फरवरी (महा शिवरात्रि)। शुक्रवार को एक बयान में राज्य सरकार ने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि श्रद्धालु उसी सेक्टर या जोन से वापस लौटें जहां वे पहुंच थे और किसी भी परिस्थिति में श्रद्धालुओं को 'संगम नोज या अन्य जोन' में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। सरकार ने कहा कि सभी अतिरिक्त जिलाधिकारियों, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों, क्षेत्राधिकारी, उप-मंडल मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी करने का निर्देश दिया गया है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ अपने परिवार के साथ एक फरवरी को संगम में डुबकी लगाएंगे

लखनऊ : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने परिवार के साथ एक फरवरी को प्रयागराज महाकुंभ में संगम में डुबकी लगाएंगे। अवध शिल्प ग्राम में उत्तर प्रदेश के 76वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने राज्य के उल्लेखनीय कायाकल्प और भारत की विकास गाथा में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों को सराहा। धनखड़ ने एक फरवरी को महाकुंभ में शामिल होने के योगी के निमंत्रण को स्वीकार करने की घोषणा की। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार के साथ संगम में डुबकी लगाऊंगा और राष्ट्र की सेवा के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित करने का संकल्प लूंगा। यह मेरे लिए गर्व का पल होगा।

युवाओं को पांच साल में दो लाख सरकारी नौकरियां दी जाएंगी: मुख्यमंत्री सैनी

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार पांच वर्षों में दो लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान करेगी। सैनी ने यह भी कहा कि पिछले 10 साल के दौरान हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने 1.71 लाख युवाओं को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। सैनी ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय (आईजीएन) कॉलेज, लाडवा, कुरुक्षेत्र में स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि सरकारी नौकरियों की पेशकश के साथ-साथ, सरकार ने युवाओं को अपना व्यवसाय स्थापित करने में मदद करने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि आईजीएन कॉलेज की स्थापना 1974 में ग्रामीण बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए की गई थी और अपनी 50 साल की यात्रा में इस संस्थान ने हजारों छात्रों को कुशल और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सैनी ने कहा कि उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने 79 सरकारी कॉलेज खोले हैं, जिनमें से 32 विशेष रूप से लड़कियों के लिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्यभर में 20 किलोमीटर के दायरे में एक सरकारी कॉलेज है।

अखिलेश यादव का 'पीडीए' फर्जी : केशव प्रसाद मौर्य

कन्नौज : उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव के पीडीए नारे को फर्जी बताते हुए शुक्रवार को कहा कि इसका मतलब परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है, जिसमें गुंडों, अपराधियों और माफियाओं को संरक्षण मिलता है। अखिलेश ने लोकसभा चुनाव से पहले पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) नारा दिया था और यह फॉर्मूला लोकसभा चुनाव में खूब हिट रहा था। मौर्य ने अखिलेश के निर्वाचन क्षेत्र कन्नौज में पीएसएम महाविद्यालय में भाजपा द्वारा आयोजित संविधान गौरव गोष्ठी के बाद पत्रकारों से कहा, ''सपा के पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है, जिसमें गुंडों, अपराधियों,

माफियाओं को संरक्षण मिलता है और इसी के चलते चुनाव में जनता ने सपा को नकार दिया।'' मौर्य ने कांग्रेस और सपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि दोनों पार्टियों ने संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर के साथ जो अन्याय किया, उसे उजागर किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य को विकसित, आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लें: योगी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश वासियों को राज्य के 76वें स्थापना दिवस की बधाई दी और मिलकर उत्तर प्रदेश को 'विकसित-आत्मनिर्भर प्रदेश' बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा, अगले चार वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप उत्तर प्रदेश 10 खरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में खुद को स्थापित करेगा। उत्तर प्रदेश की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को समर्पित उत्तर प्रदेश दिवस की भव्य शुरुआत लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में शुक्रवार को हुई। 24 जनवरी से 26 जनवरी तक

चलने वाले इस तीन दिवसीय समारोह का उद्घाटन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किया। योगी ने अपने संबोधन में कहा, 2016-17 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपये की थी, जो अब 27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है और अगले चार वर्ष में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप उत्तर प्रदेश 10 खरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में खुद को स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में गांव, गरीब, किसान, नौजवान और महिला सभी के विकास के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं।

मोदी के नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व विकास देखा, 2047 तक विश्व गुरु बनेगा : उपराष्ट्रपति धनखड़

समस्तीपुर : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि देश ने पिछले एक दशक में अभूतपूर्व विकास देखा है, जिससे लोगों की आकांक्षाएं बढ़ गई हैं। समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती के अवसर पर समस्तीपुर के कर्पूरी ग्राम में आयोजित एक समारोह में धनखड़ ने कहा, पिछले 10 वर्षों में देश ने जो विकास देखा है, वह दुनिया में बेमिसाल है। हम पहले से ही पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और अगले पांच साल में हम तीसरे स्थान पर होंगे विकसित भारत अब कोई सपना नहीं

रह गया है, यह 2047 तक साकार हो जाएगा, जब हम देश की आजादी की शताब्दी मनाएंगे। भारत विश्व गुरु बनेगा। धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जुनून के साथ ऐसी योजनाएं शुरू कीं, जिनसे आम लोगों को गैस कनेक्शन, बिजली और शौचालय मुहैया कराकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना संभव हुआ। उन्होंने कहा, लोगों को अब विकास का चसका लग गया है। उनकी आकांक्षाएं आसमान छू रही हैं। धनखड़ ने युवाओं से आग्रह किया कि वे सरकारी नौकरियों के बारे में सोचकर खुद को सीमित न रखें। उन्होंने कहा कि युवा अपनी असीमित क्षमता का इस्तेमाल कर अवसरों का पूरा लाभ उठाएं। उपराष्ट्रपति ने केंद्र की पूर्ववर्ती सरकारों पर कर्पूरी ठाकुर और चौधरी चरण सिंह जैसे लोगों को सम्मान देने में विफल रहने का आरोप लगाया।

अजमेर दरगाह से जुड़ी याचिका में पक्षकार बनने के लिए छह और आवेदन पेश

जयपुर : सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की अजमेर स्थित दरगाह को हिंदू मंदिर घोषित करने के अनुरोध वाली याचिका में पक्षकार बनने के लिए छह और आवेदन स्थानीय अदालत में पेश किए गए हैं। इससे पहले, मामले में पक्षकार बनने के लिए पांच आवेदन पेश किए गए थे, जिससे ऐसे आवेदनों की कुल संख्या बढ़कर 11 हो गई है। हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से अदालत में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका में दावा किया गया है कि जिस स्थान पर दरगाह बनाई गई, वहां एक शिव मंदिर था और मंदिर का पता लगाने के लिए सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, हमने पिछले आवेदनों पर अदालत के समक्ष अपना जवाब पेश किया है। याचिका को खारिज करने के लिए आवेदन पेश किए गए थे। हमने नये आवेदनों पर जवाब देने के लिए समय मांगा है। अब अदालत एक मार्च को मामले की सुनवाई करेगी। अदालत ने पिछले साल 27 नवंबर को गुप्ता के वाद को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया था और अजमेर दरगाह समिति, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) दिल्ली को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। याचिका से एक नया विवाद खड़ा हो गया था और मुस्लिम धर्मगुरुओं व नेताओं ने इस पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि इस तरह की घटनाएं देश में एकता और भाईचारे के खिलाफ हैं और इन्हें रोका जाना चाहिए।

भाजपा सरकार ने राजस्थान के 'हेल्थ मॉडल' को बर्बाद किया: गहलोत

जयपुर : पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चिकित्सा सुविधाओं की कथित बदहाली को लेकर शुक्रवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इसने राज्य के 'हेल्थ मॉडल' को बर्बाद कर दिया है। गहलोत ने पाली के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में प्रसूताओं को जमीन पर लेटाने संबंधी खबर साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा कि दो मंत्रियों और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के जिले के अस्पताल की स्थिति ही भाजपा सरकार का सच है। गहलोत के अनुसार, पाली के सबसे बड़े

सरकारी अस्पताल को लेकर छपी ये खबर दिखाती है कि राइजिंग राजस्थान के सपने दिखा रही सरकार की सच्चाई क्या है। उन्होंने लिखा, बीते एक साल में इस सरकार ने राजस्थान हेल्थ मॉडल को बर्बाद करके रख दिया। पहले जहां तमिलनाडु, केरल, गुजरात तक के मरीज यहां के सरकारी अस्पतालों में इलाज करवाने आ रहे थे, वहीं अब राजस्थान के मरीजों तक के लिए बेड उपलब्ध नहीं करवा पा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रदेश की जनता रोज मलाल करती है कि राजस्थान का बेड़ा गर्क करने वाले लोगों को चुन लिया।

अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने गृहस्थ जीवन से संन्यास लिया, किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर बनीं

महाकुंभनगर : अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने शुक्रवार को प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचकर संगम में आस्था की डुबकी लगाई और गृहस्थ जीवन से संन्यास लेने की घोषणा की। सरकारी बयान के मुताबिक, महाकुंभ में किन्नर अखाड़े ने ममता का पिंडदान कराने के बाद महामंडलेश्वर पद पर उनका पट्टाभिषेक किया। बयान के अनुसार, किन्नर अखाड़े ने ममता को माई ममता नंद गिरी नाम दिया। बयान में कहा गया है, ममता ने किन्नर अखाड़ा पहुंचकर आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद वह अखिल भारतीय अखाड़े के अध्यक्ष

रविंद्र पुरी से भी मिलीं। ममता इस दौरान साध्वी के कपड़ों में दिखाई दीं। अभिनेत्री ने कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मैं महाकुंभ की इस पवित्र बेला की साक्षी बन रही हूं, संतों का आशीर्वाद प्राप्त कर रही हूं। मैंने 23 साल पहले अपने गुरु श्री चैतन्य गगन गिरी से कुपोली आश्रम में दीक्षा ली थी और अब मैं पूरी तरह से संन्यासी जीवन में प्रवेश कर रही हूं। ममता ने कहा, मैंने लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को अपना पट्टगुरु इसलिए चुना, क्योंकि आज शुक्रवार है और यह महाकाली का दिन है। कल मुझे महामंडलेश्वर बनाने की तैयारी चल रही थी। और आज मां शक्ति ने मुझे निर्देश दिया कि मैं लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को चुनूं, क्योंकि वह अर्धनारीश्वर का साक्षात रूप हैं। इससे बड़ा सौभाग्य और क्या हो सकता है कि कोई अर्धनारीश्वर मेरा पट्टाभिषेक करे।

न्यूज अपडेट

बलिया में कोहरे के कारण हुए सड़क हादसों में तीन की मौत, दो अन्य गंभीर रूप से घायल

बलिया (उप्र) : उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में तीन युवकों की मौत हो गयी और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के बलिया बांसडीह मार्ग पर बृहस्पतिवार की रात्रि मोटरसाइकिल और टेंपो की आमने-सामने की टक्कर हो गयी, जिसमें मोटरसाइकिल सवार शुभम सोनी (25), मनीष जायसवाल (23) तथा लव जायसवाल (22) के साथ ही टेंपो चालक शिवम वर्मा (26) गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद मौके पर पहुचीं पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डाक्टरों ने शुभम सोनी व शिवम वर्मा को मृत घोषित कर दिया। दो अन्य युवक मनीष एवं लव को गंभीर हालत में वाराणसी ले जाया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अखिलेश पांडेय ने बताया कि पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बलिया में किशोर के साथ कुकर्म, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

बलिया : उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के मनियर थाना क्षेत्र में 40 साल के एक व्यक्ति ने 14 वर्ष के एक किशोर के साथ कथित तौर पर कुकर्म किया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, मनियर थाना क्षेत्र के एक कस्बे का रहने वाले किशोर बुधवार रात बस स्टैंड से अपने घर जा रहा था, तभी रास्ते में उसे आरोपी बृजेश राजभर मिला। पुलिस ने बताया कि राजभर किशोर को अपने घर ले गया और नशे की हालत में उसके साथ कथित तौर पर कुकर्म किया। मनियर थानाध्यक्ष रत्नेश कुमार दूबे ने बताया कि किशोर के चाचा की तहरीर पर राजभर के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने के प्रयास में जुटी है।

मठ-मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए आंदोलन तेज करेंगे : विहिप

महाकुंभनगर : विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने शुक्रवार को कहा कि अब समय आ गया है कि सरकारें हिंदू मंदिरों को उन्हें वापस करें और इसके लिए विजयवाड़ा में ढाई लाख लोगों के साथ आंदोलन शुरू हो गया है, जिसे गति दी जाएगी। महाकुंभनगर में विहिप की ओर से आयोजित विराट संत सम्मेलन के बाद पत्रकारों से मुखातिब कुमार ने कहा, आने वाले दिनों में हम मंदिरों को मुक्त कराने के लिए आंदोलन तेज करेंगे। सरकारें मंदिरों का धन कानूनी या गैर-कानूनी तरीके से अपने खाते में डाल रही हैं, जो बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा, संत सम्मेलन में इस बात पर भी चर्चा हुई कि वक्फ अधिनियम केवल एक ही धर्म के लिए क्यों है।

मुलायम सिंह पर टिप्पणी को लेकर हनुमानगढ़ी के पुजारी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई 17 फरवरी को

वाराणसी : समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में हनुमानगढ़ी मंदिर के पुजारी राजू दास के खिलाफ दायर मानहानि मामले में वाराणसी की एक अदालत 17 फरवरी को सुनवाई करेगी। मुकदमा दायर करने वाले अधिवक्ता प्रेम प्रकाश यादव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यादव ने कहा, राजू दास ने गरीबों के मसीहा मुलायम सिंह के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की, जिससे लोगों की भावनाएं आहत हुईं। इस सिलसिले में वाराणसी सिविल अदालत में एक याचिका दायर की गई। अदालत ने याचिका का संज्ञान लिया और सुनवाई के लिए 17 फरवरी की तारीख तय की। यादव ने कहा, हम चाहते हैं कि अदालत राजू दास को सख्त सजा दे, ताकि अन्य लोग महान नेताओं के खिलाफ ऐसी टिप्पणी करने से बचें।

जयपुर में दंपति की गोली मारकर हत्या

जयपुर : राजस्थान के जयपुर में शुक्रवार को एक दंपति की उनके परिचित ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि यह वारदात सांगानेर सदर थाना क्षेत्र की शांति विहार कॉलोनी में हुई। थानाधिकारी नंदलाल के मुताबिक, मृतकों की पहचान राजाराम (26) और आशा मीणा (25) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों सांगानेर रीको क्षेत्र की एक फैक्टरी में काम करते थे। नंदलाल के अनुसार, आशा की फैक्टरी में काम करने वाला मोनू बातचीत के लिए उसके घर पहुंचाया था और इस दौरान राजाराम की बहन भी वहां मौजूद थी।

बिहार : मोकामा में गोलीबारी मामले में वांछित पूर्व विधायक अनंत सिंह ने अदालत में आत्मसमर्पण किया

पटना : बिहार के मोकामा इलाके में गोलीबारी से जुड़े एक मामले में वांछित पूर्व विधायक अनंत सिंह ने शुक्रवार को बाढ़ की एक अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अवकाश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, पूर्व विधायक सिंह ने अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उन्हें बेउर जेल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि पटना के बाहरी इलाके मोकामा में हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में पुलिस ने तीन प्राथमिकियां दर्ज की हैं। बाढ़ अदालत परिसर में मीडियाकर्मियों से

बात करते हुए अनंत सिंह ने कहा, हर किसी को कानून का पालन करना होता है। मैंने आत्मसमर्पण कर दिया है, क्योंकि मेरे खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अब मैं जेल जा रहा हूं। गोलीबारी की यह घटना बुधवार शाम को हुई थी, जब मोकामा में सिंह के काफिले को निशाना बनाया गया। सोनू-मोनू गिरोह ने सिंह के काफिले पर कथित तौर पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। जबाव में सिंह के समर्थकों ने भी गोलीबारी की। प्रत्यक्षदर्शियों ने दोनों पक्षों के बीच 60 से 70 गोलियां चलने का दावा किया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि घटना के दौरान 16-17 गोलियां चलीं। इस घटना में सिंह को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था। पुलिस ने गोलीबारी की घटना के सिलसिले में दो संदिग्धों- सोनू और रोशन को गिरफ्तार किया है। सिंह के समर्थकों और उनके प्रतिद्वंद्वी सोनू-मोनू के गिरोह के बीच बुधवार को गोलीबारी हुई थी। पुलिस ने बुधवार की गोलीबारी की घटना के सिलसिले में तीन प्राथमिकियां दर्ज की हैं। पुलिस के मुताबिक, सोनू-मोनू गिरोह ने शुक्रवार को मोकामा के पंचमहल थाना क्षेत्र के हमजा गांव के निवासी और गिरोह के पूर्व सहयोगी को भी निशाना बनाया था। मुकेश सिंह ने अनंत सिंह से कथित तौर पर मदद मांगी थी। कुमार ने बताया, घटनास्थल से तीन खोखे बरामद किए गए हैं। गोलीबारी मुकेश सिंह के घर के सामने हुई। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं और जांच जारी है। छोटे सरकार' के नाम से मशहूर अनंत सिंह एक बाहुबली नेता हैं, जिन्होंने बिहार की मोकामा विधानसभा सीट का कई बार प्रतिनिधित्व किया है।

प्रधानमंत्री मोदी 24 फरवरी को भागलपुर का दौरा कर सकते हैं : शिवराज

पटना : केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने किसानों के हित में किसान सम्मान निधि योजना के तहत लाभ वितरित करने के लिए बिहार आ सकते हैं। राज्य के एक दिवसीय दौरे के समापन के बाद शिवराज ने पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत की। उन्होंने कहा, 24 फरवरी को प्रधानमंत्री का भागलपुर दौरा संभावित है। वह किसान सम्मान निधि योजना के तहत लाभ वितरित कर सकते हैं। मोदी अपने कार्यकाल के दौरान कृषि को अधिक उत्पादक और विविध बनाने के लिए उठाए गए ऐतिहासिक कदमों के बारे में भी बात कर सकते हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने अगले महीने दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव

और बिहार में एक साल से भी कम समय में होने वाले चुनाव के बारे में पूछे जाने पर कहा, आजकल चुनाव विकास के मुद्दे पर लड़े और जीते जाते हैं। बिहार में चुनाव अभी बहुत दूर है। लेकिन दिल्ली में मैं भाजपा की जीत की भविष्यवाणी कर सकता हूं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता से बाहर होने वाली है। शिवराज ने बिहार में जद(यू) सुप्रीमो नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की तारीफ करते हुए कहा केंद्र द्वारा कृषि के लिए दी गई बजटीय सहायता का राज्य सरकार ने पूरा उपयोग किया है। उन्होंने कहा, राज्य के किसानों को आश्वस्त रहना चाहिए कि अगले बजट में उन्हें और अधिक मदद मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने बिहार के किसानों द्वारा मखाना और लीची जैसी फसलों की खेती की प्रशंसा करते हुए कहा, सरकार किसानों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील है। इसलिए हमने मखाना की खेती के लिए मशीन लाने का फैसला किया है, जिसके लिए अभी तक हाथ से बहुत मेहनत करनी पड़ती है।

न्यूज इन ब्रीफ

इसरो का श्रीहरिकोटा से 29 जनवरी को होगा 100वां प्रक्षेपण

बेंगलुरु : इसरो 29 जनवरी को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपना 100वां उपग्रह प्रक्षेपित करेगा। अंतरिक्ष एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एजेंसी जीएसएलवी-एफ15 एनवीएस-02 मिशन के प्रक्षेपण की तैयारी कर रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बयान में कहा कि स्वदेशी क्रायोजेनिक चरण के साथ जीएसएलवी-एफ15 एनवीएस-02 उपग्रह को भूसमकालिक स्थानांतरण कक्षा में स्थापित करेगा और प्रक्षेपण सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से किया जाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि एनवीएस-02 में सटीक समय अनुमान के लिए स्वदेशी और खरीदी गई परमाणु घड़ियों के संयोजन का उपयोग किया गया है। इसरो ने कहा कि जीएसएलवी-एफ15 भारत के भूसमकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) की 17वीं उड़ान और स्वदेशी क्रायो चरण के साथ 11वीं उड़ान है।

पाकिस्तान की हिरासत में भारतीय मछुआरे की मौत, दो साल में आठवीं मौत

नयी दिल्ली : कराची जेल में सजा पूरी होने के बाद भी बंद एक भारतीय मछुआरे की मौत हो गई है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मछुआरे की पहचान बाबू के रूप में हुई है और बृहस्पतिवार को उसकी मौत हो गई। सूत्रों ने कहा कि वह पिछले दो वर्षों में पाकिस्तान में जान गंवाने वाला आठवां भारतीय मछुआरा है। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, ''बाबू को 2022 में पाकिस्तानी अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। उसकी सजा पूरी होने और उसकी भारतीय राष्ट्रीयता की पुष्टि होने के बावजूद उसे पाकिस्तानी अधिकारियों ने रिहा नहीं किया।'' सूत्रों ने बताया कि अपनी सजा पूरी कर चुके 180 भारतीय मछुआरे पाकिस्तानी जेल से रिहाई का इंतजार कर रहे हैं। भारत लगातार पाकिस्तान के समक्ष कैदियों की शीघ्र रिहाई का मुद्दा उठाता रहा है।

चुनाव प्रचार अभियान विभाजनकारी नहीं होना चाहिए: मुख्य चुनाव आयुक्त

नयी दिल्ली : मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने इस तरह के चुनाव प्रचार अभियान चलाने पर शुक्रवार को जोर दिया जो न तो विघटनकारी हों और न ही विभाजनकारी। उन्होंने निराधार विमर्श गढ़े जाने के खिलाफ बात की, क्योंकि इससे युवाओं का मोहभंग होता है और वे चुनाव प्रक्रिया से दूर हो जाते हैं। कुमार ने 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा कि चुनावों के दौरान विश्व ध्रुवीकृत अभियानों के युग, बाहरी हस्तक्षेप की संभावनाओं और साइबर सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहा है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस, निर्वाचन आयोग की स्थापना के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। आयोग की स्थापना 25 जनवरी 1950 को हुई थी। कुमार ने कहा, यह सभी का कर्तव्य है कि चुनाव प्रचार अभियान विघटनकारी या विभाजनकारी न हों और निराधार विमर्श न गढ़े जाएं क्योंकि इससे युवाओं का मोहभंग होता है और वे चुनावी प्रक्रिया से दूर हो जाते हैं।

मस्जिद पर लाउडस्पीकर लगाने की मांग वाली याचिका खारिज

प्रयागराज : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक मस्जिद पर लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति देने का राज्य के अधिकारियों को निर्देश देने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। पीलीभीत जिले के मुख्तियार अहमद द्वारा दायर याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डी. रमेश की पीठ ने कहा, धार्मिक स्थल प्रार्थना के लिए होते हैं और लाउडस्पीकर के उपयोग का अधिकार के तौर पर दावा नहीं किया जा सकता विशेषकर तब जब लाउडस्पीकर अक्सर वहां रहने वालों के लिए बाधा खड़ी करते हैं। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के वकील ने इस रिट याचिका की पोषणीयता पर यह कहते हुए आपत्ति व्यक्त की कि याचिकाकर्ता ना तो मस्जिद का मुतवल्ली (देखभाल करने वाला) है और ना ही वह उस मस्जिद से जुड़ा है। राज्य सरकार के वकील की दलील में दम पाते हुए अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को यह रिट याचिका दायर करने का अधिकार नहीं है।

मैं एकमात्र जादूगर हूं, जो मुफ्त बिजली दे सकता है : केजरीवाल

नयी दिल्ली : आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को यहां नजफगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए वादा किया कि अगर उनकी पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में बनी रहती है, तो बिजली की चौबीसों घंटे मुफ्त आपूर्ति की जाएगी। केजरीवाल ने खुद को एकमात्र ऐसा जादूगर बताया, जो मुफ्त बिजली दे सकता है। उन्होंने मतदाताओं को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता में लाने के खिलाफ आगाह किया। उन्होंने कहा, अगर भाजपा सत्ता में आई, तो आपकी मुफ्त बिजली बंद कर दी जाएगी और आपको 5,000 रुपये या उससे अधिक का बिल थमा दिया जाएगा। केजरीवाल ने उत्तर प्रदेश में बिजली आपूर्ति की स्थिति को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, मैं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं कि लखनऊ में पांच से आठ घंटे बिजली क्यों कटती है? नोएडा में छह घंटे बिजली क्यों कटती है? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि उन पर राष्ट्रीय राजधानी में संचालित बिजली कंपनियों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक करीबी सहयोगी को सौंपने के लिए दबाव डाला गया था। केजरीवाल ने दावा किया कि उन्होंने दिल्लीवासियों के हितों की रक्षा के लिए इस कदम का विरोध किया। 'आप' प्रमुख ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लगातार उन्हें निशाना बनाने और उन्हें गाली देने का आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा से मिल रही कड़ी चुनावी चुनौती के मद्देनजर अपनी पार्टी के विकास के वादों को भी दोहराया। पांच फरवरी को होने वाले चुनाव में नजफगढ़ सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार हैं। पूर्व परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत के भाजपा में शामिल होने के बाद 'आप' ने इस सीट से तरुण यादव को मैदान में उतारा है। भाजपा ने नीलम पहलवान को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने दुर्गा प्रसाद को टिकट दिया है।

मध्यप्रदेश के धार्मिक स्थलों पर स्मैक की अवैध बिक्री, जुआ-सट्टे पर भी रोक लगे : दिग्विजय

इंदौर : मध्यप्रदेश के 17 धार्मिक स्थलों पर शराब की दुकानें बंद करने की प्रदेश सरकार की घोषणा के बाद राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को कहा कि इन जगहों पर स्मैक जैसे नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री और जुआ-सट्टे पर भी रोक लगनी चाहिए। महेश्वर में संपन्न राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव की घोषणा पर दिग्विजय ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, हम धार्मिक स्थलों का सम्मान करते हैं। इन जगहों पर स्मैक नहीं बिकनी चाहिए और जुआ-सट्टा भी नहीं चलना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से संबंधित ठेकेदारों को भी इस बारे में सोचना चाहिए। दिग्विजय ने देश के कई राज्यों में शराबबंदी के प्रयोगों की कामयाबी पर सवाल भी उठाए। उन्होंने कहा, गुजरात और बिहार जैसे शराबबंदी वाले राज्यों में शराब पीने वाले लोगों के लिए सबसे आसान और अच्छी व्यवस्था है। दोनों सूबों में शराब की घर-घर आपूर्ति हो जाती है। दिग्विजय ने मध्यप्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर में भोपाल के यूनियन कार्बाइड के 337 टन कचरे के निपटारे की राज्य सरकार की योजना पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, यह कचरा पिछले 40 साल से भोपाल में पड़ा था। इस कचरे को पीथमपुर लाने की क्या जरूरत थी? इसे वहीं (यूनियन कार्बाइड कारखाना परिसर) गाड़कर खत्म कर दिया जाना चाहिए था। सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्हें जानकारी मिली है कि कोई बिल्डर यूनियन कार्बाइड कारखाना परिसर की कीमती जमीन खाली कराना चाहता था, इसलिए कारखाने के कचरे को पीथमपुर भेज दिया गया।

मंत्रिमंडल ने धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण 17 शहरों में शराब की दुकानें बंद करने का फैसला किया

खरगोन (मप्र) : मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण 17 शहरों में शराब की दुकानें बंद करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि खरगोन जिले के महेश्वर में मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। इन 17 शहरों में एक नगर निगम, छह नगर पालिकाएं, छह नगर परिषद और छह ग्राम पंचायतें शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा, ''राज्य में शराब की लत को खत्म करने के लिए पहले कदम के तौर पर 17 पवित्र शहरों में शराब की दुकानें बंद की जाएंगी। ये दुकानें किसी अन्य जगह पर स्थानांतरित नहीं की जाएंगी। उज्जैन नगर निगम की सीमा में शराब की दुकानें पूरी तरह से बंद रहेंगी।''

घटनाक्रम पर कड़ी नजर रखी जा रही है: आईएसआई अधिकारियों की बांग्लादेश यात्रा के बीच भारत ने कहा

नयी दिल्ली : बांग्लादेश और पाकिस्तान के सैन्य अधिकारियों के बीच बढ़ते संबंधों की पृष्ठभूमि में भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर डालने वाले पड़ोस के घटनाक्रमों पर कड़ी नजर रखता है और जरूरत पड़ने पर ''उचित'' कार्रवाई करता है। खबरों के मुताबिक, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के विश्लेषण महानिदेशक मेजर जनरल शाहिद अमीर अफसर और कुछ अन्य अधिकारी इस समय बांग्लादेश की यात्रा कर रहे हैं। पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों की ढाका यात्रा बांग्लादेशी सैन्य अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा पाकिस्तान का दौरा किए जाने और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ बैठक किए जाने के बाद हो रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम देश और क्षेत्र के आसपास होने वाली सभी गतिविधियों के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाली सभी गतिविधियों पर नजर रखते हैं और सरकार उचित कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के प्रति भारत का दृष्टिकोण मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने का रहा है। जायसवाल ने कहा, ''हम एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश का समर्थन करते हैं। भारत द्वारा दोनों देशों के बीच सीमा पर बाड़ लगाए जाने पर बांग्लादेश की आपत्ति पर जायसवाल ने कहा कि इसका उद्देश्य मानव और पशु तस्करी जैसी आपराधिक गतिविधियों का मुकाबला करना है।

'अल्प्राजोलम' बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़: 107 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित दवा जब्त, छह गिरफ्तार

अहमदाबाद : गुजरात के आणंद जिले में आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने 'अल्प्राजोलम' बनाने वाली एक फैक्टरी का पर्दाफाश किया और वहां से 107 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित दवा जब्त कर छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। आरोपी खंभात शहर के समीप किराए पर ली गई एक फैक्टरी में 'अल्प्राजोलम' नाम की दवा बनाते थे। 'अल्प्राजोलम' नींद के लिए ली जाने वाली गोलियां हैं। एटीएस के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) हर्ष उपाध्याय ने कहा कि 'अल्प्राजोलम' का नशीले पदार्थ के रूप में दुरुपयोग किया जाता है, जिसके कारण ये स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के दायरे में आती है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस ने बृहस्पतिवार शाम को फैक्टरी पर छापा मारा और 107 करोड़ रुपये मूल्य की 107 किलोग्राम 'अल्प्राजोलम' के साथ छह लोगों को गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान पकड़े गए लोगों की पहचान अजय जैन, रंजीत डाभी, विजय मकवाना, हेमंत पटेल, लालजी मकवाना और जयदीप मकवाना के रूप में हुई। एटीएस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि पकड़े गए छह लोगों में से पांच बिना लाइसेंस के फैक्टरी में 'अल्प्राजोलम' का निर्माण करते थे जबकि छठा आरोपी अजय जैन बिक्री के लिए स्टॉक खरीदता था।

न्यूज अपडेट

भारतीय पर्वतारोही ने द. अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी चढ़ाई कर नया कीर्तिमान बनाया

न्यूयॉर्क : भारतीय पर्वतारोही भावना डेहरिया ने अर्जेंटीना में दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी एकॉनकागुआ चोटी पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर नया कीर्तिमान बनाया। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महिला सशक्तीकरण और लैंगिक समानता अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाली डेहरिया ने बुधवार को 6,961 मीटर ऊंची चोटी एकॉनकागुआ पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। यह उपलब्धि डेहरिया के 'सात शिखरों' को फतह करने के मिशन में पांचवीं चोटी को चिह्नित करती है, जिसमें प्रत्येक महाद्वीप पर सबसे ऊंचे पर्वतों पर चढ़ाई करना शामिल है। वह आज तक एवरेस्ट की चोटी (एशिया), किलिमंजारो (अफ्रीका), कोसियस्जको (ऑस्ट्रेलिया) और एल्ब्रस (यूरोप) की - इसके पश्चिम और पूर्व दोनों शिखरों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर चुकी हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह अभियान ''एंडीज पर्वतमाला में दो सप्ताह की कठिन यात्रा का समापन है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनवरी 2015 में शुरू किए गए भारत के 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान की 10वीं वर्षगांठ का जश्न मनाता है।'' डेहरिया अपनी बेटी सिद्धि मिश्रा के साथ इस अभियान की ब्रांड एंबेसडर हैं। यह सम्मान उन्हें भारत के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सिद्धि मिश्रा ने पिछले साल अपनी मां के साथ एवरेस्ट आधार शिविर तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की बच्ची बनकर इतिहास रच दिया था।

छत्तीसगढ़ : 36 लाख रुपये के इनामी आठ नक्सली समेत 14 माओवादी गिरफ्तार

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने 36 लाख रुपये के इनामी आठ नक्सलियों समेत 14 माओवादियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के उसूर थाना क्षेत्र के नड़पल्ली और मल्लेमपेंटा गांव के जंगलों से सुरक्षाबलों ने 14 माओवादियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से आठ के सिर पर कुल 36 लाख रुपये का इनाम है। उन्होंने बताया कि बीजापुर में माओवादी विरोधी अभियान के तहत जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त दल को गश्त में टेकमेटला, नड़पल्ली और मल्लेमपेंटा गांव की ओर रवाना किया गया था।

कश्मीर के लिए विशेष रूप से तैयार की गई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन जम्मू पहुंची

जम्मू : जम्मू-कश्मीर में सर्दियों के दौरान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में निर्बाध रूप से चलने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन बड़ी संख्या में यात्रियों के साथ जम्मू पहुंची। ट्रेन में सवार सभी यात्री कश्मीर की मंत्रमुग्ध करने वाली यात्रा का अनुभव करने की इच्छा के साथ यहां पहुंचे। जम्मू रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को एक अनोखी घोषणा हुई, जिसमें कहा गया था कि 'यात्रिगण कृपा ध्यान दें, वंदे भारत ट्रेन संख्या 244027 कश्मीर जाने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर एक पर खड़ी है'। स्थानीय लोग और स्टेशन पर अन्य ट्रेनों का इंतजार कर रहे कई यात्री 'भारत माता की जय' के नारे लगाते हुए खुशी से झूम उठे। कटरा से कश्मीर तक चलने वाली विशेष वंदे भारत ट्रेन के आने के तुरंत बाद उनमें से कई यात्री प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पहुंच गए। पुणे के रहने वाले आदिक कदम ने कहा, कश्मीर के लिए विशेष ट्रेन चलाये जाने से हम बहुत खुश हैं। इस ट्रेन में यात्रा करना हमारा सपना है। अब कश्मीर, कन्याकुमारी से पूरी तरह ट्रेन से जुड़ गया है, जो भारत का दूसरा छोर है। कदम अपने परिवार के साथ कश्मीर की यात्रा से लौट रहे थे। वह अपने बर्फबारी देखने के लिए कश्मीर गये थे।

अनुराग ठाकुर ने आम आदमी पार्टी को 'महिला विरोधी' करार दिया

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर तीखा हमला करते हुए इसे ''महिला विरोधी'' करार दिया। नयी दिल्ली विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ठाकुर ने आप सरकार पर महिला कल्याण की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। ठाकुर ने कहा, ''उन्होंने महिलाओं को 1,000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन ऐसा करने में विफल रहे। 'आप-दा' सरकार ने स्वाति मालीवाल को मुख्यमंत्री आवास पर बुलाया और उनके साथ मारपीट की। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं की दुर्दशा को अनदेखा किया और उनके वेतन में वृद्धि का वादा पूरा नहीं किया।'' उन्होंने आप सरकार की आलोचना करते हुए कहा, ''आतिशी दिल्ली की मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनका महिला विरोधी रुख स्पष्ट है क्योंकि पोस्टर और होर्डिंग से उनका चेहरा गायब है।'' भाजपा नेता ने कहा, ''दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हरियाणा से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी परिवर्तनकारी योजनाएं शुरू की हैं, जिससे महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव आए हैं।'' इससे पहले दिन में एक अन्य जनसभा के दौरान ठाकुर ने आप नेतृत्व की आलोचना की और कहा, ''आम आदमी पार्टी में ईमानदार नेताओं की कमी है।''

सैफ पर हमला: पुलिस हमलावर के चेहरे की पहचान करेगी

आरोपी की पुलिस हिरासत 29 जनवरी तक बढ़ाई

मुंबई : मुंबई पुलिस ने शुक्रवार को यहां एक अदालत को बताया कि उसे पिछले सप्ताह अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार बांग्लादेशी व्यक्ति के चेहरे की पहचान की पुष्टि करनी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह वही व्यक्ति है जो बांद्रा में अभिनेता की इमारत के सीसीटीवी फुटेज में दिखा था। पुलिस ने आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद मोहम्मद रोहिल्ला अमीन फाकिर (30) को पिछली हिरासत अवधि समाप्त होने पर बांद्रा में एक मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया, जिसने उसकी पुलिस हिरासत 29 जनवरी तक के लिए बढ़ा दी। फाकिर को 19 जनवरी को अभिनेता के घर में चोरी के इरादे से घुसने और उन पर कई बार चाकू से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने फाकिर की और अधिक हिरासत की मांग करते हुए कहा कि जांच में पर्याप्त प्रगति हुई है, लेकिन मामले के महत्वपूर्ण पहलुओं पर आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जानी है। पुलिस की ओर से पेश सरकारी अभियोजकों के एस पाटिल और प्रसाद जोशी ने कहा कि आरोपी के चेहरे की पहचान की पुष्टि की आवश्यकता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह वही व्यक्ति है जो अभिनेता की इमारत के सीसीटीवी फुटेज में दिखा था।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक का वित्तीय प्रदर्शन, संबर 2024 तिमाही में मजबूत वृद्धि

कोलकाता, समाज्ञा : उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही (दिसंबर 2024 तक) के अपने वित्तीय प्रदर्शन की घोषणा की। बैंक ने कुल ग्रॉस लोन बुक में 10% सालाना वृद्धि के साथ 30,466 करोड़ रुपये तक पहुंचने का दावा किया। सिक्योर्ड बुक का योगदान 39% हो गया, जो सितंबर 2024 के 34.9% से बढ़ा। इस दौरान बैंक का एनआईएम 9.0% और एनआईआई 887 करोड़ रुपये दर्ज हुआ। बैंक ने दिसंबर 2024 तक जमा राशि में 16.3% की वृद्धि के साथ 34,494 करोड़ रुपये की वृद्धि प्राप्त की। सीएएसए में भी 15% की वृद्धि देखी गई, जो 25.1% के अनुपात तक पहुंची। परिसंपत्तियों की गुणवत्ता में सुधार के साथ जीएनपीए 2.7% और एनएनपीए 0.6% रहा। बैंक ने 30 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान किया और प्रोविजन कवरेज रेशियो 80% तक पहुंचाया। एमडी और सीईओ संजीव नौटियाल ने कहा कि बैंक ने सुरक्षित कर्ज की ओर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे सकारात्मक परिणाम मिले हैं। इसके अलावा, बैंक ने 2025 की चौथी तिमाही में भी उच्च वितरण की उम्मीद जताई है और यूनिवर्सल बैंक में परिवर्तन के लिए आरबीआई से अनुमति प्राप्त करने की योजना बनाई है।

गणतंत्र दिवस के लिए अर्द्धसैनिक बलों की 70 कंपनियां, 15 हजार पुलिसकर्मी तैनात होंगे: दिल्ली पुलिस

नयी दिल्ली : गणतंत्र दिवस समारोह के लिए राजधानी में अर्द्धसैनिक बलों की 70 से अधिक कंपनियों और 15,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ड्रोन से भी नजर रखी जाएगी और सीसीटीवी निगरानी तथा साइबर विशेषज्ञ अधिकारियों को संचालन की देखरेख के लिए तैनात किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, ''हमने पहले ही बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था स्थापित कर ली है। हमारे पास जांच और जामा तलाशी की छह स्तरीय व्यवस्था है। इसके अलावा, बहुस्तरीय बैरिकेडिंग होगी। हमने नयी दिल्ली जिले में कई हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं, जिनमें चेहरा पहचान प्रणाली (एफआरएस) वाले कैमरे भी शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि एफआरएस सिस्टम वाली गाड़ियां भी तैनात की जाएंगी। अधिकारी ने कहा कि कैमरे डेटाबेस से जुड़े हैं, ताकि अपराधियों की तुरंत पहचान की जा सके। उन्होंने कहा, ''दिल्ली पुलिस किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।''

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भारतीय रेल को मिलेगा बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिस अवार्ड

नई दिल्ली : राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भारतीय रेल को बेस्ट इलेक्टोरल प्रैक्टिस अवार्ड-2024-25 प्रदान किया जाएगा। यह आयोजन 25 जनवरी को नई दिल्ली के दिल्ली कैंटोनमेंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में होने वाला है। 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय रेल ने मतदाता जागरूकता और लॉजिस्टिक सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है,जिसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा यह पुरस्कार दिया जा रहा है।

मतदाता जागरूकता के लिए भारतीय रेल ने अपने नेटवर्क का इस्तेमाल करते हुए मतदाताओं को जागरूक करने के लिए अपने रेल डिस्प्ले नेटवर्क का व्यापक उपयोग किया। इस नेटवर्क के माध्यम से स्टेशनों, रेलवे की अधिकारिक वेबसाइटों और मोबाइल ऐप पर मतदाता हेल्पलाइन से संबंधित जानकारी साझा की गई। स्टेशनों पर पूर्व-रिकॉर्डेड घोषणाएं की गईं, जिनमें मतदान की अहमियत और प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसके अलावा कश्मीर वैली में स्वीप एक्सप्रेस विशेष ट्रेन चलाई गई। इस ट्रेन का उद्देश्य युवाओं को मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करना और उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ना था।

चुनाव में लगे कर्मचारियों एवं अधिकारियों के सुरक्षित और सुगम परिवहन का प्रबंधन भारतीय रेल द्वारा किया गया। इस दौरान 3,74,000 से अधिक अर्धसैनिक बलों को 383 विशेष ट्रेनों के माध्यम से देशभर में सुरक्षित और समय पर पहुंचाने का काम किया। यह कदम चुनावी प्रक्रिया को सुरक्षित और निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण था।

पू. सी. रेलवे के महाप्रबंधक ने अलीपुरद्वार और कटिहार मंडल के लिए माननीय सांसदों के साथ की समीक्षा बैठक

मालीगांव, समाज्ञा : पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने सिलीगुड़ी में शुक्रवार को संसद सदस्यों के साथ एक समीक्षा बैठक की, जिनके संसदीय क्षेत्र में रेलवे का विकास कार्य इस जोन के अलीपुरद्वार और कटिहार रेल मंडलों द्वारा किए जाते हैं। इस बैठक में पश्चिम बंगाल, बिहार, असम और सिक्किम के सांसदगण उपस्थित थे। उपस्थित सांसदों में लोकसभा के तारिक अनवर (कटिहार), राजेश रंजन (पूर्णिया), प्रदीप कुमार सिंह (अररिया), डॉ. जयंत कुमार राय (जलपाईगुड़ी); राज्यसभा के माननीय सांसद दोरजी त्शेरिंग लेप्चा (सिक्किम), नगेन्द्र रॉय (पश्चिम बंगाल); लोक सभा के माननीय सांसद मोहम्मद रकीबुल हुसैन (धुबरी), मनोज तिग्गा (अलीपुरद्वार), कार्तिक चन्द्र पॉल (रायगंज) और जयन्त बसुमतारी (कोकराझार) मौजूद थें। बैठक में पू. सी. रेलवे के अलीपुरद्वार, कटिहार मंडलों और मुख्यालय के वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के महाप्रबंधक ने सभी सांसदों का स्वागत करते हुए इस जोन द्वारा अलीपुरद्वार और कटिहार मंडलों के अधीन विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे विभिन्न विकास, नई लाइन और सर्वेक्षण कार्यों पर प्रकाश डाला। सेवाओं तथा सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए उपस्थित सभी जन प्रतिनिधियों के सुझावों और विचारों का स्वागत किया गया । महाप्रबंधक ने क्षेत्र के दर्शनार्थियों के लिए संचालित की गई कई फेस्टिव स्पेशल ट्रेनों के बारे में माननीय गणमान्यों को जानकारी प्रदान की।

अभिषेक शर्मा को ट्रेनिंग के दौरान टखने में चोट लगी

चेन्नई : भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच से पहले चोट लगी जब शुक्रवार को यहां नेट सत्र में कैचिंग ड्रिल के दौरान उनका टखना मुड़ गया। इसके बाद अभिषेक की मैदान पर टीम के फिजियोथेरेपिस्ट ने जांच की और फिर टखने को आराम देने के लिए उन्हें ड्रेसिंग रूम में ले जाया गया। पवेलियन लौटते समय उन्हें थोड़ा लंगड़ाते हुए देखा गया और उन्होंने नेट पर बल्लेबाजी भी नहीं की। चौबीस वर्षीय अभिषेक ने ड्रेसिंग रूम में फिजियो के साथ आधे घंटे से अधिक समय बिताया। कोलकाता में पहले मैच में अभिषेक ने 79 रन की तेज पारी खेली थी जिसकी बदौलत भारत ने सात विकेट से आसान जीत दर्ज की थी। अगर अभिषेक को शनिवार को यहां होने वाले मैच से बाहर बैठना पड़ता है तो भारत के पास वाशिंगटन सुंदर या ध्रुव जुरेल को अंतिम एकादश में शामिल करने का विकल्प है। ऐसी स्थिति में तिलक वर्मा को संजू सैमसन के साथ पारी का आगाज करने का मौका मिल सकता है। कोलकाता में पहला मैच सात विकेट से जीतकर भारत पांच मैच की श्रृंखला में 1-0 से आगे है।

भारत की निगाह शमी की फिटनेस और विजय अभियान जारी रखने पर

शमी ने चेन्नई में नेट्स पर जमकर पसीना बहाया लेकिन खेलने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं

चेन्नई : तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर चल रही चिंताओं के बीच भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पहले मैच का प्रदर्शन दोहरा कर विजय अभियान जारी रखने के उद्देश्य के साथ मैदान पर उतरेगी। भारत ने बुधवार को कोलकाता में पहला मैच सात क्रिकेट से जीत कर पांच मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की थी। भारतीय टीम निश्चित तौर पर शमी को मैदान पर उतारना चाहेगी लेकिन यह सब कुछ उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। भारत को हालांकि पहले मैच में इस 34 वर्षीय तेज गेंदबाज की कमी नहीं खली। इस मैच में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन करके भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ईडन गार्डंस की पिच से तेज और स्पिन गेंदबाजों को पर्याप्त मदद मिल रही थी लेकिन यहां चेपक स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को और अधिक मदद मिलने की संभावना है। ऐसी परिस्थितियों में वरुण, उप कप्तान अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई का अंतिम एकादश में बने रहना तय है। इंग्लैंड की तरफ से अनुभवी स्पिनर आदिल रशीद और लियम लिविंगस्टोन भारतीय बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश करेंगे। जहां तक उसके तेज गेंदबाजों का सवाल है तो पहले मैच में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन के सामने जोफ्रा आर्चर को छोड़कर उसका कोई भी गेंदबाज नहीं चल पाया था। अभिषेक और सैमसन ने पहले मैच में भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी तथा यह दोनों एक बार फिर से उसे दोहराना चाहेंगे। पिछले छह मैच में तीन शतक बनाने वाले सैमसन लंबी पारी नहीं खेल पाए थे लेकिन अभिषेक ने 34 गेंद पर 79 रन की तूफानी पारी खेली थी। सैमसन यहां पहले मैच की भरपाई करना चाहेंगे। अभिषेक और सैमसन की सलामी जोड़ी को अगर अगले साल भारत में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपना दावा मजबूत रखना है तो उन्हें अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। इंग्लैंड भी अपने सलामी बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। पहले मैच में फिल साल्ट और बेन डकेट दोनों ने मिलकर कुल सात गेंद का सामना करके चार रन बनाए थे। भारत को कप्तान सूर्यकुमार यादव से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी जो पिछले मैच में जल्दी आउट हो गए थे। असल में सूर्यकुमार पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद 11 पारियों में केवल दो अर्धशतक लगा पाए हैं। भारत की अपनी अंतिम एकादश में खास बदलाव करने की संभावना नहीं है। अगर शमी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए फिट हो जाते हैं तो उन्हें नीतीश कुमार रेड्डी की जगह टीम में लिया जाएगा।

न्यूज अपडेट

धुंध के कारण कोलकाता में वरूण चक्रवर्ती का सामना करने में मुश्किल हुई: ब्रूक

चेन्नई : इंग्लैंड के उप कप्तान हैरी ब्रूक का मानना है कि कोलकाता में शाम के समय धुंध के कारण रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाजी का सामना करना दोगुना मुश्किल हो गया है लेकिन उन्हें उम्मीद है कि चेन्नई की हवा सफेद कूकाबुरा गेंद को देखने के लिए अपेक्षाकृत साफ होगी। चक्रवर्ती ने पांच मैच की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में इंग्लैंड पर भारत की सात विकेट की शानदार जीत में 33 रन देकर तीन विकेट चटकाए। उन्होंने जोस बटलर, लियाम लिविंगस्टोन और ब्रूक को आउट किया। ब्रूक ने डेली टेलीग्राफ से कहा, 'चक्रवर्ती काफी अच्छा गेंदबाज है। लेकिन उस रात धुंध के कारण उसे खेलना काफी मुश्किल था। उम्मीद है कि यहां हवा थोड़ी साफ होगी और हम गेंद को थोड़ा आसानी से देख पाएंगे।' उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट में स्पिन का सामना करना शायद खेल में सबसे मुश्किल काम है, विशेषकर इसलिए क्योंकि मैं हमेशा बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में आउट हो जाता हूं।' ब्रूक ने कहा कि वह स्पिन का मुकाबला करने के लिए अपना खुद का तरीका तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'शायद मुझे थोड़ा संयम बरतना होगा लेकिन हम देखेंगे।

मंधाना और दीप्ति आईसीसी की महिला वनडे टीम में शामिल, पुरुष टीम में किसी भारतीय को जगह नहीं

दुबई : स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की शुक्रवार को जारी वर्ष 2024 की महिला वनडे टीम में शामिल किया गया है लेकिन पुरुष टीम में किसी भी भारतीय खिलाड़ी को जगह नहीं मिली। भारत की इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा महिला वनडे टीम में इंग्लैंड की तीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की दो दो तथा श्रीलंका और वेस्टइंडीज की एक-एक खिलाड़ी को शामिल किया गया है। दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोलवार्ट को महिला वनडे टीम की कप्तान नियुक्त किया गया है। मंधाना ने पिछले साल 13 मैच में 747 रन बनाए तथा वह 2024 में महिला वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। वह आईसीसी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर बनने की दौड़ में भी शामिल हैं। दीप्ति ने भी पिछले साल 13 मैच खेले जिसमें उन्होंने 186 रन बनाने के अलावा 24 विकेट भी लिए। उन्हें ऑलराउंडर के रूप में आईसीसी की वर्ष की महिला वनडे टीम में शामिल किया गया है। इस बीच भारत का वर्ष 2024 में 50 ओवरों से प्रारूप में कम मैच खेलने का असर आईसीसी की वर्ष की पुरुष वनडे टीम में देखने को मिला जिसमें किसी भी भारतीय खिलाड़ी को जगह नहीं दी गई है। आईसीसी की वर्ष की पुरुष वनडे टीम में श्रीलंका के चार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के तीन-तीन तथा वेस्टइंडीज का एक खिलाड़ी शामिल है।

जडेजा के 12 विकेट से सौराष्ट्र ने दिल्ली को दस विकेट से हराया, पंत फ्लॉप

राजकोट : रविंद्र जडेजा ने स्पिनरों की मददगार पिच पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 विकेट लिये जिसकी मदद से सौराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच में दो दिन के भीतर ही दिल्ली को दस विकेट से हराकर उसे लगभग बाहर का रास्ता दिखा दिया। भारत के नामी गिरामी बल्लेबाज जहां नाकाम रहे ,वहीं हरफनमौला जडेजा ने साबित कर दिया कि मददगार पिच पर वह कितने उपयोगी साबित हो सकते हैं। मेजबान टीम ने दिल्ली को दूसरी पारी में 25.2 ओवर में 94 रन पर आउट कर दिया। इससे पहले सौराष्ट्र ने 271 रन बनाकर पहली पारी में 83 रन की बढत बनाई। सौराष्ट्र ने जीत के लिये 12 रन 3.1 ओवर में बना लिये। मैच दो दिन और 150 ओवर के करीब ही खत्म हो गया। छह दौर के बाद सौराष्ट्र 18 अंक लेकर नॉकआउट चरण के लिये क्वालीफाई करने के करीब है। ग्रुप डी में तमिलनाडु के पांच मैचों में 19 अंक हैं जबकि चंडीगढ के इतने ही मैचों में 18 अंक हैं। दिल्ली के 14 ही अंक है और उसका एकमात्र मैच रेलवे के खिलाफ बाकी है। इस मैच में सात अंक लेने पर भी उसे फायदा नहीं होने वाला अगर सौराष्ट्र या चंडीगढ आखिरी मैच जीत लेते हैं। ऋषभ पंत के प्रशंसकों को काफी निराशा हाथ लगी होगी जो पहली पारी में एक रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 17 रन ही बना सके। वह पहली पारी में बायें हाथ के स्पिनर धर्मेंद्र जडेजा की गेंद पर आउट हुए।

बुमराह, जडेजा और जायसवाल को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह

दुबई : भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह, अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शुक्रवार को 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह मिली। इंग्लैंड के चार खिलाड़ी भी इस टीम का हिस्सा हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को कप्तान बनाया गया है। टीम में दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन सहित न्यूजीलैंड के दो खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। आईसीसी की इस ऑल स्टार टीम में जगह बनाने वाले कमिंस एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं। बुमराह ने 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और प्रत्येक टीम तथा प्रत्येक उस बल्लेबाज पर दबदबा बनाया जिसे उन्होंने गेंदबाजी की। वह टेस्ट क्रिकेट में 20 से कम की औसत से कम से कम 200 विकेट चटकाने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने और इतिहास में अपना नाम लिखवाया। बुमराह ने 2024 में 14.92 के औसत से 71 विकेट चटकाए और टेस्ट क्रिकेट में साल में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 32 विकेट चटकाए लेकिन भारत को पांच मैच की श्रृंखला में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। बुमराह ने साल की शानदार शुरुआत करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चार मैच में 19 विकेट चटकाए जिसमें विशाखापत्तम में मैच में नौ विकेट भी शामिल हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ स्वदेश में दो मैच में 11 विकेट हासिल किए। बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर सिर्फ तीन विकेट चटका पाए और भारत को 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा।

रणजी ट्रॉफी: शारदुल और तनुष ने मुंबई को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ संकट से उबारा

दूसरी पारी में 28 रन ही बना पाए रोहित

मुंबई : शारदुल ठाकुर के जुझारू शतक से खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई की टीम ने शुक्रवार को यहां रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए मैच के दूसरे दिन जम्मू-कश्मीर के खिलाफ वापसी करने की कोशिश की। पहली पारी में 86 रन से पिछड़ने के बाद मुंबई ने दूसरी पारी में 101 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन शारदुल (नाबाद 113 रन, 119 गेंद, 17 चौके) ने तनुष कोटियान (नाबाद 58, 119 गेंद, छह चौके) के साथ आठवें विकेट के लिए 173 रन की अटूट साझेदारी करके पारी को संभाला।दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक मुंबई ने शारदुल और कोटियान की पारियों की बदौलत सात विकेट पर 274 रन बनाकर 188 रन की बढ़त हासिल कर ली है। शारदुल को इस पारी के दौरान पैर में जकड़न की समस्या से जूझना पड़ा। कोटियान ने भी एक बार फिर टीम को मुश्किल से बाहर निकालने में योगदान दिया। रोहित शर्मा (28) और यशस्वी जायसवाल (26) ने पहले विकेट के लिए तेजी से 54 रन जोड़कर दूसरी पारी में मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलाई लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। श्रेयस अय्यर (17) और अजिंक्य रहाणे (16) ने क्रीज पर पैर जमाने के बाद विकेट गंवाए। मुंबई का स्कोर बिना विकेट के 54 रन से सात विकेट पर 101 रन हो गया लेकिन शारदुल और कोटियान ने अटूट शतकीय साझेदारी करके पारी को संवारा। नासिक में महाराष्ट्र ने शीर्ष पर चल रहे बड़ौदा के खिलाफ दूसरी पारी में अपनी बढ़त को 275 रन तक पहुंचाकर अपना पलड़ा भारी रखा। पहली पारी में 297 रन बनाने के बाद महाराष्ट्र ने बड़ौदा को 145 रन पर ढेर करके 152 रन की बड़ी बढ़त हासिल की।

भरोसा, प्रतिभा निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर रहे: वैष्णव

दावोस: वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां कहा कि वैश्विक कंपनियां भारत को लेकर बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा कंपनियां विस्तार की योजना बना रही हैं और कई नई कंपनियां देश में अपना कारोबार स्थापित करना चाहती हैं। रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि कई नई सेमीकंडक्टर कंपनियों ने भी अपनी रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय ने नए चिपसेट बनाने का काम भी अपने हाथ में लिया है, जिन्हें भारत में डिजाइन और निर्मित किया जाएगा। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के दौरान यहां पीटीआई-भाषा से बात करते हुए वैष्णव ने कहा कि भारत कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। भारत को लेकर निवेशकों के आकर्षण की वजह के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा, कई कारक हैं। एक समय था, जब लोग केवल लागत के आधार पर किसी जगह का मूल्यांकन करते थे। लेकिन आज किसी भी मूल्यांकन में पहला कारक भरोसा है और यह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारी विदेश और आर्थिक नीतियों के जरिये दुनिया के सामने एक मानक स्थापित किया है, उसमें विश्वास का तत्व बहुत बड़ा है। दुनिया उस विश्वास को पहचानती है और भारत को एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में देखती है। मंत्री ने कहा कि प्रतिभा एक और बहुत महत्वपूर्ण कारक है। उन्होंने कहा, हमारे पास जिस तरह का प्रतिभा भंडार है, वह कई देशों में नहीं है। लागत अधिक या कम हो सकती है, लेकिन ऐसा प्रभावशाली प्रतिभा भंडार कहीं और नहीं मिल सकता है। विश्वास और प्रतिभा वैश्विक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित करने के पीछे दो बहुत महत्वपूर्ण कारक हैं। रेलवे के बारे में मंत्री ने कहा कि उन्होंने स्विस रेल अधिकारियों से मिलने और कुछ संयंत्रों का दौरा करने के लिए दावोस आने से पहले ज्यूरिख और कुछ अन्य स्थानों पर पूरा दिन बिताया। उन्होंने कहा, मैंने स्विट्जरलैंड में रेलवे पटरी के रखरखाव पर विस्तृत जानकारी ली, जिसमें वे किस तरह की तकनीक का उपयोग करते हैं और उनके प्रोटोकॉल, अभ्यास और प्रक्रियाएं क्या हैं। व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा नियमों के बारे में पूछने पर वैष्णव ने कहा कि कानून बनाते समय व्यापक परामर्श हुआ था, जिसमें लगभग 24,000 सुझाव थे और अब भी नियमों को व्यापक परामर्श के बाद ही अंतिम रूप दिया जाएगा।

रियल्टी, तेल-गैस शेयरों में बिकवाली से बाजार गिरा, सेंसेक्स 330 अंक फिसला

मुंबई : उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी सत्र में घरेलू शेयर बाजार ने शुक्रवार को अपनी शुरुआती बढ़त गंवा दी और दो दिनों की तेजी के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स में 330 अंक और निफ्टी में 113 अंक की गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच निवेशकों ने रियल्टी, तेल एवं गैस और स्वास्थ्य देखभाल कंपनियों में निवेश घटा दिया। विदेशी कोषों की निकासी जारी रहने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 329.92 अंक यानी 0.43 प्रतिशत गिरकर 76,190.46 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 428.63 अंक गिरकर 76,091.75 पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 113.15 अंक यानी 0.49 प्रतिशत गिरकर 23,092.20 पर बंद हुआ। इस तरह घरेलू शेयरों में पिछले दो दिनों से जारी तेजी थम गई। कारोबारी सप्ताह का भी समापन गिरावट के साथ हुआ। इस हफ्ते सेंसेक्स में कुल 428.87 अंक यानी 0.55 प्रतिशत और निफ्टी में 111 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मेहता इक्विटीज लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, वाहन, तेल एवं गैस और रियल्टी शेयरों में बिकवाली के बीच बाजार उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में आए तगड़े सुधार ने गिरावट को थामने का काम किया। तापसे ने कहा कि आगामी बजट की घोषणा के पहले निवेशकों के सतर्क रुख ही अपनाए रखने की संभावना दिख रही है। बीएसई के समूह में शामिल कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, जोमैटो, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टूब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स और बजाज फिनसर्व के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा, नेस्ले, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

न्यूज अपडेट

डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ का आईपीओ 29 जनवरी को खुलेगा, मूल्य दायरा 382-402 रुपये प्रति शेयर

नयी दिल्ली : टेमासेक होल्डिंग्स और टीपीजी समर्थित नेत्र देखभाल सेवा प्रदाता डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर का लगभग 3,027 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 29 जनवरी को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा 382-402 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि उसका आईपीओ 31 जनवरी को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशकों के लिए बोलियां 28 जनवरी को एक दिन के लिए खुलेंगी। आईपीओ में 300 करोड़ रुपये तक के नए निर्गम और प्रवर्तकों तथा अन्य शेयरधारकों द्वारा मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर 2,727.26 करोड़ रुपये मूल्य के 6.78 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। इस प्रकार, कुल निर्गम आकार 3,027.26 करोड़ रुपये बैठता है। इस पेशकश में पात्र कर्मचारी भी बोली लगा सकेंगे। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में अरवॉन इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, क्लेमोर इन्वेस्टमेंट्स (मॉरीशस) प्राइवेट लिमिटेड और हाइपरियन इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। नए निर्गम से प्राप्त 195 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग कर्ज भुगतान के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, इसका एक हिस्सा सामान्य कंपनी कामकाज और किसी अन्य कंपनी के अधिग्रहण में लगाया जाएगा। निर्गम आकार का आधा हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों के लिए, 35 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए तथा शेष 15 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित किया गया है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.88 अरब डॉलर घटकर 623.98 अरब डॉलर पर

मुंबई : देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 1.88 अरब डॉलर घटकर 623.98 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि इससे पिछले सप्ताह में यह 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट आ रही है। इस गिरावट का कारण रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 17 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.88 अरब डॉलर घटकर 533.13 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 22 पैसे चढ़कर 86.22 पर बंद

मुंबई : अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 22 पैसे चढ़कर 86.22 (अस्थायी) पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर सूचकांक में गिरावट से निवेशकों की धारणा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कमजोर कीमतों ने भी रुपये को समर्थन दिया, जबकि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर निकासी ने स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। व्यापारियों ने आगे कहा कि आगामी केंद्रीय बजट बाजार की धारणा और रुपये की दिशा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.31 पर मजबूती के साथ खुला। सत्र के दौरान डॉलर के मुकाबले 86.16 के उच्च तथा 86.36 के निचले स्तर पर पहुंचा। अंत में यह 86.22 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो डॉलर के मुकाबले 22 पैसे की बढ़त है।

विज्ञान के सहकारी क्षेत्र से जुड़ने पर कृषि हो जाती है लाभदायक व्यवसाय: अमित शाह

मालेगांव : केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि विज्ञान के सहकारी क्षेत्र का हिस्सा बनने पर कृषि एक लाभदायक व्यवसाय बन जाती है। इसके साथ ही शाह ने राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में कृषि मंत्री रहते हुए उनके योगदान पर सवाल उठाया। उत्तर महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में सहकारिता क्षेत्र की एक बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, 'सिर्फ नेता बनना ही काफी नहीं है, आपको जमीन पर भी काम करने की जरूरत होती है।' शाह ने कहा कि विज्ञान के महत्व पर जोर देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के 'जय जवान जय किसान' के मशहूर नारे में 'जय विज्ञान' को भी शामिल किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय का भी दायित्व संभालने वाले शाह ने कहा कि जब विज्ञान सहकारी क्षेत्र का हिस्सा होता है तो कृषि एक लाभदायक व्यवसाय बन जाती है। उन्होंने कहा कि जैविक कृषि उत्पादों की पैकेजिंग एवं विपणन के लिए सहकारिता मंत्रालय के तहत एक अलग इकाई 'भारत सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड' (आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लिमिटेड) की स्थापना की गई है। शाह ने कहा कि एक मजबूत सहकारी क्षेत्र सही मायने में 'आत्मनिर्भर' होने का संकेत देता है। इस क्षेत्र में 1.18 लाख सदस्य हैं और उनकी सरकार ने जुलाई, 2021 में स्थापित सहकारिता विभाग के कई लंबित मुद्दों को हल किया है। उन्होंने कहा, चीनी मिलों का 46,000 करोड़ रुपये का कर घटा दिया गया है। नए गोदाम बनाए गए हैं, ऋण वितरित किए गए हैं, एथनॉल मिश्रण के लिए कदम उठाए गए हैं। गन्ना प्रसंस्करण के उप-उत्पाद एथनॉल को पेट्रोल में मिलाया जा सकता है जिससे ईंधन की लागत में कमी आएगी और हानिकारक कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा।

इंडिगो का शुद्ध लाभ 18 प्रतिशत घटकर 2,450 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली : देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में करीब 18 प्रतिशत घटकर 2,450.1 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में इंडिगो को 2,986.3 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में विमानन कंपनी की कुल आय बढ़कर 22,992.8 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 20,062.3 करोड़ रुपये थी

पतंजलि फूड्स ने चार टन लाल मिर्च पाउडर वापस मंगाया, ग्राहकों के पैसे होंगे वापस

नयी दिल्ली : पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने खाद्य नियामक एफएसएसएआई के निर्देश के बाद बाजार से चार टन लाल मिर्च पाउडर वापस मंगाया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने पतंजलि फूड्स को खाद्य सुरक्षा मानदंडों के अनुरूप न होने के कारण पैक किए गए लाल मिर्च पाउडर की एक विशिष्ट खेप को वापस लेने का निर्देश दिया है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजीव अस्थाना ने बयान में कहा, 'पतंजलि फूड्स ने चार टन लाल मिर्च पाउडर (200 ग्राम पैक) के बैच को वापस मंगाया है।' उन्होंने कहा, 'उत्पाद के नमूनों की जांच करने पर पाया गया कि उनमें कीटनाशकों के अवशेष की अधिकतम स्वीकार्य सीमा की पुष्टि नहीं हुई। एफएसएसएआई ने लाल मिर्च पाउडर सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के लिए कीटनाशकों के अवशेष की अधिकतम सीमा (एमआरएल) निर्धारित की है।' अस्थाना ने कहा कि विनिर्दिष्ट नियामक मानदंडों के अनुरूप कंपनी ने अपने वितरण साझेदारों को सूचित करने के लिए तत्काल कदम उठाए हैं। उत्पाद खरीदने वाले उपभोक्ताओं तक पहुंचने के लिए विज्ञापन भी जारी किए हैं। उन्होंने ग्राहकों से आग्रह किया कि वे उत्पाद को जहां से खरीदा है वहां लौटाएं और पूरा पैसा वापसी का दावा करें। अस्थाना ने कहा, 'वापस लिए गए उत्पाद का मूल्य और मात्रा बहुत कम है।'

वर्ष 9, पूर्णांक 4130 अंक 280, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in